संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, शुक्रवार, 09 फरवरी 2024 ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्ष: 15 अंक: 39 पृष्ठ: 08 | RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com | उत्तराखण्ड संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

प्रतिष्ठित संगीतकार प्यारेलाल शर्मा को लक्ष्मीनारायण अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

आदर्श विचार

"जो पैदा हुआ है उसकी मृत्यु भी निश्चित है।

भागवद्

मन की बात

"विश्व एक विशाल व्यायामशाला है जहाँ हम खुद को मजबूत बनाने के लिए आते हैं।

स्वामी विवेकानंद

यूपीए सरकार आर्थिक मैनेजमेंट में फेल रही

= वित्त मंत्री निर्मला ने गुरुवार को लोकसभा में श्वेत पत्र पेश किया, आज चर्चा होगी

चर्चा

8 वित्त मंत्री ने लोकसभा में श्वेत पत्र पेश किया, कोयला, 2जी, कॉमनवेल्थ घोटाले का जिक्र

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को लोकसभा में श्वेत पत्र पेश किया। इस पर (शुक्रवार को) चर्चा होगी। 59 पेज के श्वेत पत्र में 2014 से पहले और 2014 के बाद की भारतीय अर्थव्यवस्था की जानकारी दी गई है। इसमें बताया गया है कि किस तरह यूपीए सरकार के दस सालों में इकोनॉमी मिस मैनेजमेंट का नुकसान भारत को झेलना पड़ा। श्वेत पत्र में लिखा है- 2014 में कोयला घोटाले ने देश की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया था। 2014 से पहले कोयला ब्लॉकों का आवंटन पारदर्शी प्रक्रिया का पालन किए बिना मनमाने आधार पर किया गया था। कोयला क्षेत्र को कॉम्पिटिशन और ट्रांसपेरेंसी से बाहर रखा गया था। एजेंसियों ने जांच की और 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने 1993 से आवंटित 204 कोयला खदानों/ब्लॉकों का आवंटन रद्द कर दिया। यूपीए सरकार में 122 दूरसंचार लाइसेंसों से जुड़ा 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला हुआ। इसमें उअऋ के अनुमान के अनुसार सरकारी खजाने को 1.76 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। कोयला घोटाले में सरकारी खजाने को 1.86 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) घोटाले ने राजनीतिक अनिश्चितता के माहौल का संकेत दिया। संसद में बजट पेश करते हुए सीतारमण ने बताया था कि फर्स्ट डेवलप इंडिया। 2014-23 के दौरान 596 अरब डॉलर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आया। यह 2005-2014 के दौरान आए से दोगुना था।

कांग्रेस ने जारी किया ब्लैक पेपर

इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी सरकार के 10 साल के कार्यकाल पर ब्लैक पेपर जारी किया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने 10 साल में 411 विपक्षी विधायकों को अपनी तरफ मिलाया। वह डेमोक्रेसी खत्म कर रही है। कांग्रेस ने इसे 10 साल, अन्याय काल नाम दिया। खड़गे ने कहा कि भाजपा ने 10 साल में 411 विपक्षी विधायकों को अपनी तरफ मिलाया। वह डेमोक्रेसी खत्म कर रही है।

ब्लैक पेपर में रोजगार और लोकतंत्र के मुद्दे...

रोजगार: खड़गे ने कहा कि देश में जो सबसे बड़ा मुद्दा है, उसे भाजपा सरकार कभी नहीं उठाती। नेहरू के जमाने के **लअछ, ल्टळ, इल्एछ** को उन्होंने कभी नहीं बताया। इसमें कितने लोगों को बेहतरीन नौकरियां मिलीं, ये कभी नहीं बताया।

गांवों में रोजगार कम हो रहे हैं, क्योंकि सरकार नरेगा का पैसा रिलीज नहीं कर रही। गैर-भाजपा शासित राज्यों जैसे केरल, कर्नाटक, तेलंगाना के साथ भेदभाव किया जा रहा है। खड़गे ने कहा कि मोदी कहते हैं कि अब इतने पैसे जमा हो रहे हैं, पहले क्यों नहीं होते थे, ऐसा कहकर वे अप्रत्यक्ष रूप में हैरेसमेंट और प्रेशराइज कर रहे हैं और इलेक्शन में पैसा लगा रहे हैं।

मांगों को लेकर किसान दिल्ली रवाना, लगा जाम

टीम एक्शन इंडिया/नोएडा

मुआवजा संबंधी मांगों को लेकर नोएडा प्राधिकरण के गेट पर धरना दे रहे किसान बृहस्पतिवार को दिल्ली कूच किया। इसे देखते हुए यातायात पुलिस ने सेक्टर-छह उद्योग मार्ग पर वाहनों की आवाजाही आंशिक रूप प्रतिबंधित कर दी गई। किसानों के विरोध मार्च को देखते हुए दिल्ली-नोएडा, चिल्ला बॉर्डर पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। वहीं, कई किसान नेताओं को उनके आवास पर ही नजर बंद किया गया है। पुलिस रोकने में जुटी है। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर यूपी के किसानों ने दिल्ली-नोएडा चिल्ला बॉर्डर से संसद की ओर मार्च किया। नोएडा से दिल्ली जाने वाला रुट किसानों ने जाम कर दिया है। महामाया फ्लाईओवर के नीचे हजारों किसान इकट्ठा हुए। दिल्ली जाने के लिए हजारों किसान कोशिश में लगे हैं। पुलिस ने प्रदर्शनकारी किसानों को रोका है। प्रदर्शन में शामिल होने के लिए भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष के राकेश टिकैत भी पहुंचे। वहीं, नोएडा और ग्रेनो में आज से धारा-144 लागू कर दी गई है। दिल्ली-नोएडा बॉर्डर पर जाम की स्थिति पैदा हो गई है। नोएडा और दिल्ली में कई मार्गों पर यातायात प्रभावित हो रहा है। जिसके चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। डीआइजी, अपर. सीपी (एल एंड ओ), शिवहरि मीना ने कहा, 'धारा 144 लागू कर दी गई है और सभी सीमाओं को 24 घंटे के लिए सील कर दिया गया है। सभी सीमाओं पर भारी सुरक्षा तैनाती की गई है। लोगों को कोई परेशानी न हो, इसके लिए व्यवस्था की गई है। सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है।

'किसानों से बातचीत जारी'

हम किसानों से बातचीत कर रहे हैं, सभी वाहनों की जांच की जा रही है।' बता दें कि नोएडा में उद्योग मार्ग के अलावा रजनीगंधा से सेक्टर-15 मेट्रो स्टेशन, चिल्ला से सेक्टर-15 मेट्रो स्टेशन, न्यू अशोक नगर, उद्योग मार्ग समेत अन्य मार्गों पर कुछ देर के लिए यातायात डायवर्जन लागू रहेगा। डीसीपी ट्रैफिक अनिल कुमार यादव के मुताबिक किसानों के दिल्ली कूच को देखते हुए गोलचक्कर चौक सेक्टर-15 से सेक्टर-6 पुलिस चौकी, संदीप पेपर मिल चौक से हरौला चौक तक मार्ग पर वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। इसके अलावा गोलचक्कर चौक सेक्टर-15, रजनीगंधा चौक, सेक्ट- 6 पुलिस चौकी चौक, झुंडपुरा चौक, सेक्टर 8,10,11,12 चौक, हरौला चौक से आवश्यकतानुसार यातायात का डायवर्जन किया।

पीएम मोदी जन्म से पिछड़ी जाति से नहीं: राहुल गांधी

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते बुधवार राज्यसभा में कांग्रेस पर तीखा हमला बोला था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि कांग्रेस के 10 साल के कार्यकाल में विकास धीमा हुआ था, लेकिन हमने रफ्तार को बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस पिछड़े वर्गों के लोगों को आगे बढ़ाना ही नहीं चाहती है। इस बीच, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर पलटवार करते हुए किया और कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने खुद की जाति को ओबीसी में शामिल किया था।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि 'पीएम मोदी जन्म से पिछड़ी जाति से नहीं हैं। वे गुजरात की 'तेली' जाति में पैदा हुए थे। उस समुदाय को साल 2000 में भाजपा ने ओबीसी में शामिल किया। वे (पीएम मोदी) सामान्य वर्ग में पैदा हुए थे। वे कभी भी जातिगत जनगणना को नहीं कराएंगे क्योंकि वे ओबीसी में पैदा नहीं हुए थे। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी खुद को ओबीसी बताकर लोगों को गुमराह कर रहे हैं।

सीएम बनने से पहले ही ओबीसी में शामिल थी जाति- भाजपा

पीएम मोदी की जाति को लेकर दिए गए राहुल गांधी के बयान को भाजपा ने खारिज कर दिया है। भाजपा ने कहा कि राहुल गांधी लोगों के बीच भ्रम और झूठ फैला रहे हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने राज्य के मुख्यमंत्री रहते हुए अपनी जाति को गुजरात में अन्य पिछड़ा वर्ग की सूची में शामिल नहीं किया था।

सियासी बखेड़ा

8 प्रधानमंत्री मोदी की जाति को लेकर राहुल के बयान पर बीजेपी का पलटवार, कहा- 1999 से ही ओबीसी में अधिसूचित

यूपी: सॉल्वर गैंग के 12 सदस्य गिरफ्तार

मेरठ: सॉल्वर गैंग ने वर्तमान में चल रही उप्र पुलिस की ऑनलाइन कंप्यूटर ऑपरेटर परीक्षा में भी सेंध लगा दी। दूर-दराज बैठे इस गिरोह के सदस्यों ने रिमोट एक्सेस सॉफ्टवेयर के जरिए प्रश्न पत्र हल किए। इसकी सूचना मिलने पर एसटीएफ की मेरठ टीम ने 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। मामले की रिपोर्ट बागपत के बड़ौत थाने में दर्ज कराई गई है। बताया गया कि एसटीएफ की टीम ने आरोपियों के पास से तीन लैपटॉप, डेस्क टॉप कम्प्यूटर, आठ मोबाइल फोन, स्क्रीन शॉट, आठ एडमिट कार्ड बरामद किए हैं। एसटीएफ एसपी ब्रजेश सिंह ने बताया कि वर्तमान में उप्र पुलिस की ऑनलाइन कंप्यूटर ऑपरेटर भर्ती परीक्षा चल रही है।

पटना हरमंदिर गुरुद्वारे में हादसा, मिट्टी धंसने से कई मजदूर दबे

पटना: पटना सिटी के तख्त श्री हरमंदिर गुरुद्वारा में नए लंगर हॉल के निर्माण कार्य के दौरान अचानक मिट्टी धंसने से कई मजदूर उसमें दब गए। सूचना मिलते ही पूरे तख्त श्री हरमंदिर गुरुद्वारे में अफरा तफरी का माहौल मच गया।

हादसे की सूचना पर मौके पर प्रबंधन कमेटी ने स्थानीय थाना पुलिस की मदद से मिट्टी के अंदर दबे एक मजदूर को बाहर निकाल लिया है।

स्कूल यूनिफॉर्म खराब गुणवत्ता की मिली, तो होगा एफआईआर

टीम एक्शन इंडिया/गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने गुरुवार को कहा कि छात्रों को स्कूल यूनिफॉर्म देने में गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ राज्य सरकार एफआईआर कराएगी। असम विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने बताया कि प्रदेश भर में स्कूल यूनिफॉर्म संबंधी अनियमितताओं के आरोप लगे हैं।

लोकसभा चुनाव के बाद राज्य सरकार ऐसे मामलों में कार्रवाई शुरू करेगी।

स्कूल मैनेजमेंट पर होगी एफआईआर: सीएम ने कहा 'हमने फंड दिए हैं ताकि स्कूलों में छात्रों को मुफ्त यूनिफॉर्म दी जा सके, लेकिन जब मैं अलग-अलग जगहों पर गया तो मैंने पाया कि कुछ स्कूलों में अच्छी गुणवत्ता की स्कूल यूनिफॉर्म हैं और कुछ में नहीं।

व्यासजी के तहखाने में पूजा के खिलाफ याचिका मामले में टली सुनवाई

टीम एक्शन इंडिया/वाराणसी

शैलेंद्र पाठक व्यास मामले में हाईकोर्ट में चल रही सुनवाई के कारण प्रभारी जिला जज अनिल कुमार की अदालत ने सुनवाई की अगली तारीख 15 फरवरी नियत की है। बता दें कि ज्ञानवापी से जुड़े शैलेंद्र पाठक व्यास की तरफ से दाखिल वाद में प्रभारी जिला जज की अदालत में सुनवाई होनी थी। वाद सुनवाई योग्य है या नहीं इसको लेकर अंजुमन इंतेजामिया ने आपत्ति जताई थी। इस मुद्दे पर शैलेंद्र पाठक की ओर से पक्ष रखा जाना है। जबकि अंजुमन इंतेजामिया का कहना है यह वाद विशेष पूजा स्थल अधिनियम से यह वाद बाधित है। ऐसे में यह सुनवाई होने योग्य नहीं है। इसी वाद में जिला जज ने व्यास जी के तहखाने को डीएम को सुपुर्द किए जाने के साथ तहखाने में पूजा पाठ का अधिकार दिया है। जिसको लेकर हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही है, वहीं इसी अदालत में अंजुमन ने पूजा पाठ किए जाने के जिला जज के आदेश पर रोक लगाने की मांग की है उस पर भी सुनवाई होनी थी।

जिरह

8 अंजुमन इंतेजामिया का कहना है यह वाद विशेष पूजा स्थल अधिनियम से यह वाद बाधित है

इनसैट-3डीएस' उपग्रह श्रीहरिकोटा से उड़ान भरने को तैयार

नई दिल्ली: इसरो ने श्रीहरिकोटा लॉन्चिंग क्षेत्र पर 'इनसैट-3डीएस' को तैनात कर दिया है। 17 फरवरी को शाम 5:30 बजे इस उपग्रह को प्रक्षेपित किया जाएगा। गौरतलब है कि इस उद्देश्य मौसम विज्ञान और आपदा चेतवानी की जानकारी उपलब्ध कराना है। यह पूरी तरह से पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित है। दूसरी ओर, भारत के अंतरिक्ष नियामक इन-स्पेस ने गुरुवार को कहा कि अगले 14 महीनों में करीब 30 उपग्रहों के प्रक्षेपण की तैयारी चल रही है। इसमें सात मिशन गगनयान से जुड़े होंगे।

मांग

संगठनों ने केंद्र को ओपीएस लागू करने के लिए छह सप्ताह का अल्टीमेटम दिया

केंद्र को 6 हफ्ते का अल्टीमेटम, पुरानी पेंशन नहीं तो होगी हड़ताल

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

देश में 'पुरानी पेंशन' बहाली के लिए लंबे समय से संघर्ष कर रहे कर्मचारी संगठनों ने केंद्र सरकार को ओपीएस लागू करने के लिए छह सप्ताह का अल्टीमेटम दे दिया है। अगर इस अवधि में पुरानी पेंशन बहाल नहीं होती है, तो देशभर में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू हो जाएगी। इस स्थिति में रेल संचालन और रक्षा क्षेत्र के उद्योगों सहित तमाम सरकारी विभागों में कामकाज बंद हो जाएगा। बुधवार को नई दिल्ली में हुई नेशनल ज्वाइंट काउंसिल ऑफ एक्शन (एनजेसीए) के पदाधिकारियों की

बैठक में यह अहम निर्णय लिया गया है। बैठक की अध्यक्षता, एनजेसीए के संयोजक शिवगोपाल मिश्रा ने की है। केंद्र सरकार को अनिश्चितकालीन हड़ताल का नोटिस देने और स्ट्राइक की तिथि घोषित करने के लिए दो दिन के भीतर एक कमेटी गठित होगी।

चेतावनी

8 रेल संचालन और रक्षा क्षेत्र के उद्योगों सहित तमाम सरकारी विभागों में कामकाज बंद हो जाएगा

गत वर्ष दिल्ली में हुई थीं चार बड़ी रैलियां: केंद्र एवं विभिन्न राज्य सरकारों के कर्मचारी, पुरानी पेंशन बहाली के लिए गत वर्ष से ही आंदोलन कर रहे हैं। कर्मचारी संगठनों ने विभिन्न तरीकों से अपनी बात, सरकार तक पहुंचाने का प्रयास किया है। ओपीएस के लिए गठित नेशनल ज्वाइंट काउंसिल ऑफ एक्शन (एनजेसीए) की संचालन समिति के वरिष्ठ सदस्य और एआईडीईएफ के महासचिव सी. श्रीकुमार का कहना है, नई दिल्ली के रामलीला मैदान में गत वर्ष दस अगस्त को सरकारी कर्मियों की विशाल रैली हुई थी। उस रैली में लाखों कर्मियों ने हिस्सा लिया था। एक अक्तूबर को रामलीला मैदान में ही 'पेंशन शंखनाद महारैली' आयोजित की गई। इसका आयोजन नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम (एनएमओपीएस) के बैनर तले हुआ था।

पंजाब के स्कूलों में मिड डे मील में होगा बदलाव

टीम एक्शन इंडिया/चंडीगढ़

पंजाब के स्कूलों के लिए शिक्षा विभाग की तरफ से मिड डे मील में बदलाव किया गया है, अब विभाग ने केले के साथ ही मौसमी फलों को भी शामिल किया गया है। जिन फलों को मिड डे मील में शामिल किया गया है उनमें अमरुद, आम, बेर, किन्नू शामिल हैं। शिक्षा विभाग की तरफ से संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं और जल्द ही इन आदेशों को लागू कर दिया जाएगा।

विभाग के अनुसार नए शैक्षणिक सत्र में फलों की उपलब्धता के आधार पर आदेश जारी किए जाएंगे और इसमें कुछ और बदलाव भी किए जा सकते हैं। बता दें कि इससे पहले जनवरी में भी सरकार की तरफ से आदेश जारी किए गए थे। सरकार ने स्कूलों को जनवरी से मार्च 2024 तक प्रत्येक छात्र को सप्ताह में एक दिन दोपहर के भोजन के साथ केला उपलब्ध कराने का आदेश दिया था।

प्रति छात्र प्रति केला पांच रुपये की दर से धनराशि अलग से स्कूलों को उपलब्ध करवाने का फैसला लिया गया था। इसके अलावा भी मिड डे मील के मेन्यू में कुछ बदलाव किया गया था।

पहल

8 केले के साथ ही मौसमी फलों को भी शामिल किया गया है। अमरुद, आम, बेर, किन्नू शामिल हैं

राज्यपाल बोले, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत का भविष्य उज्ज्वल

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने गुरुवार को नई दिल्ली में एसआईए-इंडिया के आयोजित डीईएफएसएटी 2024 कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कहा कि निश्चित रूप से रक्षा और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत का भविष्य उज्ज्वल होने के साथ-साथ आशा और आकांक्षाओं से भरा हुआ है।

राज्यपाल ने कहा कि 1975 में हमारे पहले उपग्रह आर्यभट्ट से लेकर हमारे सबसे नवीन मिशन आदित्य एल1 तक, जो सूर्य का अध्ययन करने के लिए भारत का पहला मिशन था, इनसे हमारे देश ने साबित कर दिया है कि हम वास्तव में सभी क्षेत्रों में आत्मनिर्भर हैं।
राज्यपाल ने कहा कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के तत्वावधान में भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं, जिससे देश अंतरिक्ष अन्वेषण में एक प्रमुख शक्ति के रूप में स्थापित हुआ है। मार्स ऑर्बिटर मिशन, जिसे मंगलयान के नाम से भी जाना जाता है सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक है। 2013 में लॉन्च किए गए मंगलयान ने भारत को मंगल ग्रह की कक्षा में पहुंचने वाला पहला एशियाई देश और अपने पहले ही प्रयास में ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देश बना है। इस उपलब्धि ने न केवल भारत की तकनीकी शक्ति बल्कि मितव्ययी बजट पर अंतरिक्ष अन्वेषण हासिल करने की क्षमता को भी प्रदर्शित किया।
उन्होंने कहा कि जैसे ही हम अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के इस नए युग में प्रवेश कर रहे हैं, हम रक्षा और अंतरिक्ष के क्षेत्र में अपने राष्ट्र के लिए बेहतर भविष्य को आकार देने के लिए दूरदर्शिता, नवाचार और समर्पण के साथ नेतृत्व करने की अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहरा रहे हैं। हाल ही में भारत ने अपनी स्वदेशी रक्षा विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित किया है। ह्यमेक इन इंडियाह्व पहल ने देश के भीतर महत्वपूर्ण रक्षा उपकरणों के उत्पादन को बढ़ावा दिया है। हमने विदेशी आपूर्तिकताओं पर निर्भरता कम की है और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया है। यह कदम न केवल अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है बल्कि देश के आर्थिक और रक्षा ढांचे को भी मजबूत करता है।
राज्यपाल ने इस अभूतपूर्व आयोजन के लिए एसआईए-इंडिया और सहयोगी रक्षा थिंक-टैंक की सराहना की।

संशोधन के प्रस्तावों पर विचार विमर्श को लेकर डीईओ ने राजनैतिक दलों के साथ की बैठक

सहमति

8 मतदेय स्थलों के नाम परिवर्तन के लिए सभी छह प्रस्तावों पर राजनीतिक दलों ने अपनी सहमति दी।

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
मतदेय स्थलों के नाम परिवर्तन एवं संशोधन से संबंधित प्रस्तावों पर विचार विमर्श को लेकर गुरुवार को जिला निर्वाचन अधिकारी हिमांशु खुराना की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों के साथ बैठक हुई। जिसमें मतदेय स्थलों के नाम परिवर्तन के लिए तहसीलों से प्राप्त सभी छह प्रस्तावों पर राजनीतिक दलों ने अपनी सहमति दी।
जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारी एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया कि अपने क्षेत्र में समस्त मतदेय स्थलों को एक बार पुनः अच्छी तरह से भौतिक सत्यापन कर लें।
अभी भी यदि किसी मतदेय स्थल का भवन जीर्ण-शीर्ण या क्षतिग्रस्त होने, विद्यालय के उच्चीकरण होने और मतदेय स्थल भवन के नाम में परिवर्तन एवं संशोधन से संबंधित कोई प्रस्ताव बाकी है, तो आज ही इसकी रिपोर्ट उपलब्ध करें। ताकि मतदान की व्यवस्थाओं को लेकर कोई समस्या न रहे।

चाय फैक्टरी की स्थापना के लिए 129.99 लाख स्वीकृत

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने जनपद अल्मोड़ा के राजकीय उद्यान गरुड़ाबाज (धौलादेवी) में चाय फैक्टरी की स्थापना के लिए स्वीकृति प्रदान की है। इसके लिए कृषि मंत्री गणेश जोशी ने 129.99 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि चाय फैक्टरी की स्थापना के बाद जहां स्थानीय लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर प्रदान होंगे, वही स्थानीय चाय उत्पादकों को उचित मूल्य प्राप्त होगा और चाय उत्पादकों की आय में भी वृद्धि होगी।

गांव चलो अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में 24 घंटे का प्रवास करेंगे भाजपा नेता

प्रवास

8 भाजपा जिला अध्यक्ष संदीप ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में विकास के सभी आयामों पर कार्य हुआ है।

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष संदीप गोयल ने बताया कि गांव चलो अभियान के तहत भाजपा नेता ग्रामीण क्षेत्रों में 24 घंटे का प्रवास करेंगे।
भाजपा जिला अध्यक्ष संदीप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा की सरकार के विगत 10 वर्षों में गरीब कल्याण, महिला सशक्तिकरण, सुरक्षा, सांस्कृतिक उत्थान एवं विश्व में भारत के गौरव में वृद्धि सहित विकास के सभी आयामों पर अतुल्य कार्य हुआ है।
भाजपा गरीब कल्याण के प्रति विकास दृष्टि एवं अपनी सरकारों के विकास कार्यों को जन-जन तक ले जाकर जनता का विश्वास अर्जित करते हुए 2024 के लोकसभा चुनाव में पुनः समर्थन जुटाने के लिए जिले के सभी 816 ग्रामीण एवं नगरीय बूथों पर 9 से 11 फरवरी तक गांव चलो अभियान के निमित्त जिले के सभी जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी बूथों पर 24 घंटे प्रवासी कार्यकर्ता के रूप में रहकर प्रवास करने का कार्य करेंगे।
इसमें बूथ एवं पन्ना समिति की बैठक, लाभार्थियों से संवाद, सार्वजनिक स्थल पर स्वच्छता अभियान, नव मतदाताओं से संपर्क, बूथ पर रहने वाले प्रबुद्ध जनों से संपर्क, युवाओं, किसानों, व्यावसायिक समूह से भेंट, सैनिक परिवारों से संपर्क, प्रतिभावान विद्यार्थियों, खिलाड़ियों से संपर्क सहित अनेको गतिविधियों में भाग लेकर बूथ को मजबूत करने का काम करेंगे।
गांव चलो अभियान के जिला संयोजक लव शर्मा ने बताया कि प्रमुख रूप से उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री सतपाल महाराज हरिद्वार ग्रामीण विधानसभा के जमालपुर कलां में बूथ संख्या 39, पूर्व शिक्षा मंत्री एवं सांसद डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ज्वालापुर विधानसभा के रसूलपुर टोंगिया में बूथ संख्या 88, जिला अध्यक्ष संदीप गोयल हरिद्वार ग्रामीण उत्तर मंडल के बूथ संख्या 46, हरिद्वार विधायक मदन कौशिक रानीपुर विधानसभा के औरंगाबाद के बूथ संख्या 198, आदेश चौहान रानीपुर विधानसभा के टांडा टीरा के बूथ संख्या 196, पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद हरिद्वार ग्रामीण विधानसभा के एकड़ कला में बूथ संख्या 62, पूर्व विधायक संजय गुप्ता लक्सर विधानसभा के ग्राम फतवा में बूथ संख्या 83, पूर्व विधायक सुरेश राठौड़ ज्वालापुर विधानसभा के अहमदपुर ग्रांट के बूथ संख्या 28, लक्सर नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष अमरीश गर्ग लक्सर विधानसभा के सलेमपुर वक्काल के बूथ संख्या 18, शिवालिक नगर नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष राजीव शर्मा नवोदय नगर में बूथ संख्या 186, पूर्व मेयर मनोज गर्ग लालढांग मंडल के श्यामपुर में बूथ संख्या 26 पर प्रवास करेंगे।

पत्नी को साथ भेजने से ससुराल वालों ने किया इंकार, नाराज दामाद ने सास-ससुर और पत्नी को पीटा

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
पत्नी को साथ न भेजने से नाराज दामाद ने साथियों के साथ मिलकर अपने सास-ससुर और पत्नी की जमकर धुलाई कर दी। तीनों को सड़क पर गिराकर लात-घुसों से जमकर पीटा। उसका वीडियो किसी व्यक्ति ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस ने दोनों पक्षों को चौकी बुलाया। मामला लक्सर कोतवाली क्षेत्रांतर्गत गांव रामपुर रायघटी का है।
लक्सर कोतवाली क्षेत्र के रायसी गांव निवासी एक युवक की शादी कोतवाली क्षेत्र के ही गांव रामपुर रायघटी निवासी एक युवती के संग हुई थी। पिछले कुछ दिनों से पति-पत्नी के बीच विवाद चल रहा था, जिसके चलते युवक की पत्नी मायके में आकर रहने लगी। बताया गया है कि युवक दो दिन पूर्व अपनी पत्नी को लेने ससुराल गया था। जहां पर सास ससुर ने युवक की पत्नी को साथ भेजने से इंकार कर दिया गया। जिस पर युवक का पारा चढ़ गया और लडाई झगड़ा कर अपने घर वापस आ गया। बुधवार को वह फिर अपने दो अन्य साथियों को साथ लेकर ससुराल पहुंचा और पत्नी को साथ चलने को कहा, जिस पर पत्नी ने साथ चलने से इंकार कर दिया। इससे नाराज युवक ने अपनी पत्नी को पिटना शुरू कर दिया। बीच में आए सास-ससुर को भी अपने साथियों के साथ मिलकर घर के बाहर घसीटते हुए कीचड़ में पटककर जमकर मारा-पीटा।
इस दौरान आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर एकत्रित हो गई और हमलावरों के चंगुल से उन्हें छुड़ाया।
भीड़ इकट्ठा देख हमलावर मौके से भाग निकले। इसी बीच किसी ने मौके का वीडियो बना लिया। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक नरेन्द्र सिंह ने बताया कि सोशल मीडिया पर मारपीट का वीडियो वायरल होने का मामला संज्ञान में आया था। दोनों पक्षों को बुलाया गया है। मामले की जांच की जा रही है। पीड़ित पक्ष की तहरीर मिलने पर आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस की संयुक्त छापेमारी, मौके से गौमांस और अन्य सामग्री बरामद

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड गौवंश संरक्षण स्क्वाड, गढ़वाल परिक्षेत्र, हरिद्वार व कोतवाली गंगनहर की संयुक्त पुलिस टीम ने रुड़की क्षेत्र के ग्राम सोहलपुर गाड़ा स्थित खेत में दबिश देकर मौके से गौ वंश के अंग, वध करने के हथियार व अन्य सामान बरामद किया। पुलिस को देखकर तीन आरोपित मौके का फायदा उठाकर फरार होने में कामयाब रहे। पुलिस टीम ने पशु चिकित्सा अधिकारी को मौके पर बुलाया, जिन्होंने द्वारा मौके से बरामद मांस एवं खाल में से सैंपल लिए। शेष गौमांस को नष्ट किया गया। बरामदगी के आधार पर कोतवाली गंगनहर रुड़की में इस संबंध में मुकदमा दर्ज किया गया है।

घर में लगी आग से लाखों का नुकसान

भयानक आग

8 आग लगने का कारण प्रथम दृष्टया स्कूटी की बैटरी में आग लगना माना जा रहा है।

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
देर रात एक मकान में भयानक आग लगने से लाखों का नुकसान हुआ है। हादसा रुड़की के इमली रोड पर हुआ। आग लगने का कारण प्रथम दृष्टया स्कूटी की बैटरी में आग लगना माना जा रहा है।
रुड़की सिविल लाइंस कोतवाली क्षेत्र के इमली रोड पर राव तालिब के घर में रात तीन बजे अचानक आग लग गई। राव तालिब के पुत्र आसिम की अचानक नींद खुली तो उन्होंने देखा कि घर में आग लगी है। उसने बाहर निकलकर शोर मचाया तो पड़ोसी भी जाग गए। सभी ने आग को बढ़ता देख उस पर काबू पाने का प्रयास किया। पड़ोसी अमजद ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना भी दी। पुलिस के पहुंचने से पहले ही मोहल्ले के लोगों ने आग पर काबू पा लिया। माना जा रहा है कि आग लगने का मुख्य कारण इलेक्ट्रिक स्कूटी में शॉर्ट सर्किट होना है। बताया जा रहा है घर में उस वक्त दो इलेक्ट्रिक स्कूटी खड़ी थी, जिनमें आग लगी।

उत्तराखंड नवनिर्माण सेवा समिति आयोजित करेगी गढ़ महोत्सव

गढ़ महोत्सव

8 लोक संस्कृति को बचाने के लिए समिति द्वारा कई सालों से गढ़ महोत्सव का आयोजन कर रहा है।

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड की लोक संस्कृति को बचाने के लिए गठित की गई उत्तराखंड नवनिर्माण सेवा समिति स्वर्गीय प्रेम गौनियाल की स्मृति में आगामी 10 फरवरी को भरत मंदिर इंटर कॉलेज के खेल प्रांगण में ऋषिकेश गढ़ महोत्सव का आयोजन करेगी।
गुरुवार को आईएसबीटी स्थित प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में उत्तराखंड के नवनिर्माण सेवा समिति के अध्यक्ष जगदीश कंडवाल, जितेंद्र भट्ट ने बताया कि गढ़ महोत्सव में उत्तराखंड के प्रसिद्ध जागर सम्राट मंगलेश डंगवाल, लोक गायिका संगीता ढोंडियाल, पूनम सती अपने गानों की प्रस्तुति देंगी। कार्यक्रम का उद्घाटन विधानसभा अध्यक्ष रितु खंडूरी, कार्यक्रम संरक्षक प्रांत कार्यवाहक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दिनेश सेमवाल, कार्यक्रम अध्यक्ष निवर्तमान मेयर अनीता ममगाई, अति विशिष्ट अतिथि मैडम रजनी रावत, विशिष्ट अतिथि अक्षत गोयल द्वारा किया जाएगा।
इस मौके पर हिमालयन अस्पताल रक्तदान शिविर का भी आयोजन करेगा, जिसमें समिति से जुड़े लोग रक्तदान करेंगे।
समिति के अध्यक्ष ने बताया कि उत्तराखंड की लोक संस्कृति को बचाने के लिए समिति द्वारा कई सालों से गढ़ महोत्सव का आयोजन कर रहा है। पूर्व में समिति द्वारा मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया था। इस बार उत्तराखंड के शहीदों के परिजनों को समिति द्वारा सम्मानित किया जाएगा।
समिति द्वारा आगे भी लोक संस्कृति को बचाने के लिए जनमानस के साथ मिलकर काम करेगी। इस मौके हेमंत डंग,परीक्षित मेहरा, नवीन देशवाल, ललित शर्मा, जितेंद्र भट्ट जितेंद्र चमोली बलदेव मनोज गोसाई,सुल्तान रावत, गोपाल नेगी, प्रीतम शर्मा आदि थे।

उत्तराखंड में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन विभाग की नई पहल, एमओयू पर हस्ताक्षर किए

एमओयू

8 सुभाष रोड स्थित अपने शासकीय आवास में पर्यटन और मंत्री सतपाल महाराज की मौजूदगी में यह एमओयू हुआ।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद और भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी) ने मानसखंड पर्यटन और देश के अन्य शहरों -स्थानों पर प्रचार-प्रसार के लिए विशेष पर्यटक ट्रेन (मानसखंड एक्सप्रेस) का संचालन करने के लिए गुरुवार को एक एमओयू (समझौता हस्ताक्षर) पर हस्ताक्षर किए हैं।
सुभाष रोड स्थित अपने शासकीय आवास में पर्यटन और मंत्री सतपाल महाराज की मौजूदगी में यह एमओयू हुआ। इस दौरान मंत्री ने कहा कि मानसखंड एक्सप्रेस ट्रेन प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन विभाग ने एक नई पहल की गई है।
पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज गरिमामयी उपस्थिती में पर्यटन विभाग आईआरसीटीसी के मध्य देश के विभिन्न क्षेत्रों से राज्य के अल्पज्ञात गंतव्यों के लिए एक स्पेशल पर्यटक ट्रेन प्रारंभ करने के लिए अनुबंध कर लिया गया है। पर्यटन विभाग की ओर से डॉ. हरीश रैड़तोलिया, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी और आईआरसीटीसी की ओर से सुनील कुमार, समूह महाप्रबन्धक द्वारा

अनुबन्ध पर हस्ताक्षर किये गये।
उत्तराखंड पर्यटन का यह नूतन प्रयास, भारत के सुदूर इलाकों से सैलानियों को उत्तराखंड के विभिन्न अल्पज्ञात दर्शनीय स्थलों तक पहुंचाने में कड़ी का काम करेगा। इस ट्रेन के संचालन से राज्य के पर्यटन विकास को एक नयी दिशा मिलेगी। मानसखंड स्थित मंदिरों की यात्रा के साथ शुरू होने वाली प्रथम ट्रेन अप्रैल माह में संचालित किया जाना प्रस्तावित है। भविष्य में तमिलनाडु से कार्तिक स्वामी मंदिर रुद्रप्रयाग, उड़ीसा से जगन्नाथ मंदिर- उत्तरकाशी आदि के लिए भी यात्रा कार्यक्रम बनाए जाएंगे।
यात्रा के दौरान उत्तराखंडी व्यंजन परोसे जाएंगे और पर्यटन विभाग की ओर से प्रशिक्षित गाइड्स को भी रोजगार का अवसर प्राप्त होगा। इस ट्रेन को उत्तराखंड से जुड़े विभिन्न गंतव्यों, उत्तराखंडी व्यंजन, त्योहार आदि को चित्रों द्वारा सुसज्जित किया जायेगा, जिससे देश के विभिन्न शहरों से गुजरने पर इन गंतव्यों के बारे में आम जनमानस को जानकारी भी प्राप्त हो सके।
मानसखंड स्थित विभिन्न मंदिरों के भ्रमण के लिए पहली ट्रेन अप्रैल, 2024 में कोलकाता से चलाई जाएगी। इसके पाद अन्य शहरों के लिए भी तैयारी की जा रही है। मानसखंड एक्सप्रेस ट्रेन के संचालन के लिए हुए करार के अनुसार उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद का खर्च सालाना पांच करोड़ के लगभग होगा।
मानसखंड एक्सप्रेस ट्रेन के यात्रियों के लिए ये हैं प्रमुख दशार्नार्थ स्थान-
पूर्णागिरी, हाट कालिका, पाताल भुवनेश्वर, मायावती, बालेश्वर, मानेश्वर, जागेश्वर, गोलू, देवता-चितई, नंदा देवी, कसार देवी, कटारमल अल्मोड़ा, नानकमत्ता गुरुद्वारा,खटीमा और नैना देवी नैनीताल ऐसे सम्भावित स्थल हैं। जिनका मानसखंड एक्सप्रेस ट्रेन के यात्रियों के दशार्नार्थ प्रमुख स्थान हैं। मानसखंड एक्सप्रेस ट्रेन में पांच सौ यात्री एक साथ सफर कर सकेंगे। ट्रेन के सभी यात्री डिब्बे सेकेंड एसी हैं। साथ ही ट्रेन में यात्रा के दौरान भोजन की भी व्यवस्था होगी।
यात्रा के दौरान यात्रियों को उत्तराखंड के व्यंजन भी परोसे जाएंगे। यात्रा के दौरान होटल व्यवस्था, यात्रियों द्वारा भ्रमण, गाइड आदि को टूर पैकेज के रूप में भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी) रेल मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से सुनिश्चित किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

मौसम में शुष्क बना रहेगा, किसान फसलों को पाले से बचाएं

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड का मौसम शुष्क बना हुआ है। आठ फरवरी को ऊधमसिंह नगर और हरिद्वार जनपद को छोड़कर सभी जनपदों में कहीं कहीं पाला पड़ेगा और मौसम शुष्क बना रहेगा।
मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक डॉ. विक्रम सिंह ने किसानों को सलाह दी है कि इस पाले से बचने के लिए अपनी फसलों को सिंचाई के लिए खेत में नमी बनाए रखे जिससे पाले से नुकसान न हो।

नए बनाए गए 13 जीर्ण-शीर्ण मतदेय स्थल

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), उप जिला निर्वाचन अधिकारी पीएल शाह की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट में लोक सभा सामान्य निर्वाचन के मतदेय स्थलों के सम्बन्ध में राजनीतिक पार्टियों के पदाधिकारियों एवं निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की।
अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), उप जिला निर्वाचन अधिकारी पीएल शाह ने बैठक में भारत निर्वाचन आयोग के मतदेय स्थलों के सम्बन्ध में जारी दिशा-निदेशों का उल्लेख करते हुये बताया कि जिन मतदेय स्थलों में मतदाताओं की संख्या 1500 से अधिक हो गयी है, जो जीर्ण-शीर्ण या जर्जर की स्थिति में हैं या जिन मतदेय स्थलों का नाम परिवर्तित किया गया है, नया मतदेय स्थल बनाने की व्यवस्था है।
इस अवसर पर संयुक्त मजिस्ट्रेट रुड़की दिवेश शाशनी, एसडीएम लक्सर गोपाल चौहान, एसडीएम भगवानपुर जितेन्द्र कुमार, एएसडीएम रूड़की विजयनाथ शुक्ल, भाजपा से नकली सिंह सैनी, सीपीआई (एम) से राजीव गर्ग, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी अरूणेश पैन्यूली, तहसीलदार हरिद्वार श्रीमती रेखा आर्या, रजिस्ट्रार कानूनगो अमरीष शर्मा, आरके रमेश प्रसाद, आलोक, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी देवेन्द्र अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी उदय वीर सिंह बर्थवाल सहित सम्बन्धित पदाधिकारी एवं अधिकारी उपस्थित थे।

हाउस ऑफ हिमालयाज स्थापित

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मुख्यमंत्री धामी के निदेर्शों के क्रम में ग्राम्य विकास विभाग द्वारा राज्य में प्रचलित सभी ब्रांड्स के उत्पादों की पहुंच बढ़ाने, गुणवत्ता में सुधार करने, मानकीकृत पैकेजिंग सुनिश्चित करने और ब्रान्डिंग एवं विपणन करने हेतु शीर्ष स्तरीय संस्था एवं अम्ब्रेला ब्रान्ड हाउस ऑफ हिमालयाज का एक कम्पनी के रूप में गठन गया है।
मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी प्रदेश के उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने हेतु एवं उत्पादों की गुणवत्ता, ब्रांडिंग एवं मार्केटिंग के लिए एक अंब्रेला ब्रांड के रूप में हाउस ऑफ हिमालयाज स्थापित किए जाने के निर्देश दिए थे।
इस क्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों द्वारा 08 दिसम्बर, 2023 को इन्वेस्टर समिट के दौरान हाउस ऑफ हिमालयाज का लोकार्पण किया था। यह संस्था अब कंपनी के रूप में पंजीकृत की जा रही है, जिसे उत्तराखंड राज्य के ब्रांड के रूप में राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया जा सके।

चाइनीज मांझा की चपेट में आकर छात्र घायल

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
मकर संक्रांति से क्षेत्र में चाइनीज मांझे का कहर शुरू हो गया है। अपनी कुछ देर की खुशी के लिए लोग इस कातिल मांझे का उपयोग कर पतंग उड़ाते हैं और राहगीर इसका शिकार होते हैं। दोपहिया वाहन सवारों के लिए तो इन दिनों घर से निकलना खतरे से खाली नहीं है, क्योंकि कब कहां गले पर जानलेवा धागा लिपट जाए कोई पता नहीं।
इस चाइनीज धागे का खौफ इतना है कि कुछ लोग हेलमेट के साथ मफलर बांधकर बाइक पर निकल रहे हैं तो कुछ इधर-उधर देखकर भय में वाहन चला रहे हैं। बावजूद इसके हादसे रूक नहीं रहे। आज भी लक्सर में निश्चय नाम का हाईस्कूल का छात्र ट्यूशन से घर आते समय गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर स्वजन मौके पर पहुंचे तथा छात्र को इलाज के लिए भूमानंद अस्पताल ले जाया गया। ऐसा नहीं है कि पुलिस को चाइनीस मजा बेचने वालों की जानकारी नहीं है। पुलिस ने दो दिन पूर्व चाइनीज मांझा बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी की है उनका पुलिस ऐक्ट में चालान भी किया है और उनको चाइनीस मांझा ना बेचने की हिदायत दी है।

भू-धंसाव प्रभावित स्थानीय मूल निवासियों ने अपनी चिंता से शासन को कराया अवगत

आपदा

8 जोशीमठ भू धंसाव आपदा को एक वर्ष का समय पूर्ण हो चुका है, और अभी भी स्थिति स्पष्ट नहीं है।

जोशीमठ/टीम एक्शन इंडिया
जोशीमठ भू-धंसाव प्रभावित स्थानीय मूल निवासियों ने विस्थापन को लेकर अपनी चिंताओं व समस्याओं से राज्य सरकार को अवगत कराते हुए यथाशीघ्र समाधान किए जाने की अपेक्षा की है।
जोशीमठ भू धंसाव आपदा को एक वर्ष का समय पूर्ण हो चुका है, और अभी भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। एक वर्ष के लंबे इंतजार के बाद गत 20 जनवरी को उत्तराखंड सरकार के आपदा प्रबंधन सचिव ने प्रभावितों के साथ बैठक कर बारह सौ घरों को खाली कराने की मंशा जाहिर करते हुए विस्थापन के लिए प्रस्तावित चयनित स्थान का भी खुलासा कर दिया था।
इसी बैठक में प्रेजेंटेशन के माध्यम से जो हाई रिस्क जोन दिखाए गए हैं, उनमें जोशीमठ के सभी मूल गांवों को भी दशार्या गया है,जबकि इनके आसपास सेना, आईटीबीपी, ग्रैफ व एनटीपीसी आदि सरकारी महकमों को सुरक्षित ग्रीन जोन में दिखाया गया है। ऐसे में स्थानीय मूल गांवों के निवासियों का चिंतित होना स्वाभाविक ही है।
इन्हीं सब चिंताओं व आशंकाओं को लेकर स्थानीय मूल निवासियों ने एक बैठक कर अपने भविष्य को सुरक्षित रखने हेतु विचार रखे और तय हुआ कि मूल/पुस्तैनी निवासियों की भविष्य को लेकर जो चिंताएं व शंकाए हैं, उनसे उत्तराखंड सरकार को अवगत कराया जाय।
इसी क्रम में गुरुवार को एक ज्ञापन उप जिलाधिकारी जोशीमठ के माध्यम से मुख्यमंत्री को प्रेषित किया गया, जिसमें कहा गया है कि मूल निवासी कहीं भी अन्यत्र विस्थापित नहीं होना चाहते क्योंकि मूल निवासियों के पास प्रभावित भूमि के अलावा मारवाड़ी से सुनील-औली-गौंख तथा होसी (रविग्राम) से लेकर मनोटी-औली तक पर निजी भूमि है और सुरक्षित क्षेत्र में है।
इन स्थानों पर मूलभूत सुविधाओं को विकसित कर मानकों के अनुसार आवासीय मकान एवं गौशाला निर्माण कर आवंटित किए जाने, जिन मूल/पुश्तैनी निवासियों को प्रभावित मकानों का भुगतान हो चुका है। उन्हें उनकी निजी सुरक्षित भूमि पर मकान व गौशाला निर्माण कर आवंटित करने और जिन प्रभावित मूल निवासियों के पास प्रभावित भूमि के अलावा अन्य भूमि नहीं है उन्हें राजस्व भूमि आवंटित कर मकान/गौशाला निर्माण कराने, प्रभावित होने वाले मूल/पुश्तैनी निवासी असुरक्षित भवनों की भूमि का मुआवजा नहीं लेंगें और जोशीमठ भू-धंसाव उपचार के बाद भूमि स्थिर होने पर उसी पैतृक भूमि पर मानकों के अनुसार बसावट करेंगे।
ज्ञापन में ट्रीटमेंट कार्यों को ऐरा पुल (खंचा) से मारवाड़ी तक धौली व अलकनंदा के बायीं ओर मजबूत तटबंध का निर्माण कराने, औली से शुरू करते हुए जोशीमठ के सभी वार्डों में सीवरेज एवं ड्रेनेज की समुचित करने, नगर में बहने वाले नालों का सुधारीकरण करने, भू-धंसाव प्रभावित जोशीमठ नगर क्षेत्र मे स्थित सामुदायिक भवन, मठ-मंदिर, गोचर, पनघट, घाट व पितृ विसर्जन गृह आदि को सुरक्षित करने, आपदा अधिनियम के तहत समस्त सरकारी व गैरसरकारी निर्माण कार्यों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने, भूमि के क्रय-विक्रय पर प्रतिबंध लगाए जाने व जोशीमठ मे विस्थापन व पुनर्वास कार्यालय खोलने सहित कुल 13 सूत्री प्रमुख मांगें हैं।

मतदाताओं को जागरूक करने के लिए महाविद्यालय में हुआ नुक्कड़ नाटक

जागरूकता

8 मतदान जागरूकता संबंधी कार्यक्रमों के बारे में जानकारी के बारे में नाटक के माध्यम से बताई गई।

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
चमोली जिले के कर्णप्रयाग महाविद्यालय में गुरुवार को कर्णभूमि कला मंच की ओर से मतदान जागरूकता के लिए नुक्कड़ नाटक किया गया।
महाविद्यालय के प्रांगण में इस नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बताया गया कि किस प्रकार फॉर्म छह भरकर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कर सकते हैं।
इसके अलावा समय-समय पर मतदान जागरूकता संबंधी कार्यक्रमों के बारे में जानकारी के बारे में नाटक के माध्यम से बताई गई। दर्शकों को यह संदेश देने का प्रयास किया गया कि प्रत्येक मतदाता निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करे और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका सुनिश्चित करे।
इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. केएल तलवाड़, जनपद स्वीप कार्यक्रम प्रभारी डॉ. दर्शन सिंह नेगी, महाविद्यालय कैंपस एंबेसडर डॉ.कविता पाठक, डा. केआर डंगवाल, एनएसएस की वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. चंद्रावती टम्टा आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

भू धंसाव प्रभावित स्थानीय मूल निवासियों ने अपनी चिंता से शासन को कराया अवगत

जोशीमठ/टीम एक्शन इंडिया
जोशीमठ भू-धंसाव प्रभावित स्थानीय मूल निवासियों ने विस्थापन को लेकर अपनी चिंताओं व समस्याओं से राज्य सरकार को अवगत कराते हुए यथाशीघ्र समाधान किए जाने की अपेक्षा की है।
जोशीमठ भू धंसाव आपदा को एक वर्ष का समय पूर्ण हो चुका है, और अभी भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। एक वर्ष के लंबे इंतजार के बाद गत 20 जनवरी को उत्तराखंड सरकार के आपदा प्रबंधन सचिव ने प्रभावितों के साथ बैठक कर बारह सौ घरों को खाली कराने की मंशा जाहिर करते हुए विस्थापन के लिए प्रस्तावित चयनित स्थान का भी खुलासा कर दिया था।
इसी बैठक में प्रेजेंटेशन के माध्यम से जो हाई रिस्क जोन दिखाए गए हैं, उनमें जोशीमठ के सभी मूल गांवों को भी दशार्या गया है,जबकि इनके आसपास सेना, आईटीबीपी, ग्रैफ व एनटीपीसी आदि सरकारी महकमों को सुरक्षित ग्रीन जोन में दिखाया गया है। ऐसे में स्थानीय मूल गांवों के निवासियों का चिंतित होना स्वाभाविक ही है।
इन्हीं सब चिंताओं व आशंकाओं को लेकर स्थानीय मूल निवासियों ने एक बैठक कर अपने भविष्य को सुरक्षित रखने हेतु विचार रखे और तय हुआ कि मूल/पुस्तैनी निवासियों की भविष्य को लेकर जो चिंताएं व शंकाए हैं, उनसे उत्तराखंड सरकार को अवगत कराया जाय।
इसी क्रम में गुरुवार को एक ज्ञापन उप जिलाधिकारी जोशीमठ के माध्यम से मुख्यमंत्री को प्रेषित किया गया, जिसमें कहा गया है कि मूल निवासी कहीं भी अन्यत्र विस्थापित नहीं होना चाहते क्योंकि मूल निवासियों के पास प्रभावित भूमि के अलावा मारवाड़ी से सुनील-औली-गौंख तथा होसी (रविग्राम) से लेकर मनोटी-औली तक पर निजी भूमि है और सुरक्षित क्षेत्र में है।
इन स्थानों पर मूलभूत सुविधाओं को विकसित कर मानकों के अनुसार आवासीय मकान एवं गौशाला निर्माण कर आवंटित किए जाने, जिन मूल/पुश्तैनी निवासियों को प्रभावित मकानों का भुगतान हो चुका है। उन्हें उनकी निजी सुरक्षित भूमि पर मकान व गौशाला निर्माण कर आवंटित करने और जिन प्रभावित मूल निवासियों के पास प्रभावित भूमि के अलावा अन्य भूमि नहीं है उन्हें राजस्व भूमि आवंटित कर मकान/गौशाला निर्माण कराने, प्रभावित होने वाले मूल/पुश्तैनी निवासी असुरक्षित भवनों की भूमि का मुआवजा नहीं लेंगें और जोशीमठ भू-धंसाव उपचार के बाद भूमि स्थिर होने पर उसी पैतृक भूमि पर मानकों के अनुसार बसावट करेंगे।
ज्ञापन में ट्रीटमेंट कार्यों को ऐरा पुल (खंचा) से मारवाड़ी तक धौली व अलकनंदा के बायीं ओर मजबूत तटबंध का निर्माण कराने, औली से शुरू करते हुए जोशीमठ के सभी वार्डों में सीवरेज एवं ड्रेनेज की समुचित करने, नगर में बहने वाले नालों का सुधारीकरण करने, भू-धंसाव प्रभावित जोशीमठ नगर क्षेत्र मे स्थित सामुदायिक भवन, मठ-मंदिर, गोचर, पनघट, घाट व पितृ विसर्जन गृह आदि को सुरक्षित करने, आपदा अधिनियम के तहत समस्त सरकारी व गैरसरकारी निर्माण कार्यों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने, भूमि के क्रय-विक्रय पर प्रतिबंध लगाए जाने व जोशीमठ मे विस्थापन व पुनर्वास कार्यालय खोलने सहित कुल 13 सूत्री प्रमुख मांगें हैं।

यूसीसी के विधानसभा में पारित होने पर भाजपा कार्यकताओं ने की आतिशबाजी, बांटी मिठाई

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड विधान सभा में समान नागरिक संहिता विधेयक के पारित होने पर गुरुवार को चमोली जिला मुख्यालय गोपेश्वर बस स्टैंड पर भाजपा कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री का आभार प्रकट करते हुए आतिशबाजी कर मिठाई बांटी।
वर्तमान विधानसभा सत्र में प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने चुनावी वादे को पूरा करते हुए भारतवर्ष के सभी राज्यों में अपनी अग्रणी भूमिका निभाते हुए समान नागरिक संहिता को उत्तराखंड विधानसभा के पटल पर रखा और दो दिनों की बहस के पश्चात विधेयक को पारित किया गया। विधेयक को पारित करने पर उत्तराखंड के सभी लोगों में उत्साह है। इसी क्रम में मुख्यालय गोपेश्वर के बस स्टैंड पर पूर्व जिला अध्यक्ष रघुवीर सिंह बिष्ट के नेतृत्व में मुख्यमंत्री एवं विधानसभा उत्तराखंड का आभार व्यक्त करते हुए मिष्ठान वितरण एवं आतिशबाजी कर किया गया। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता अधिनियम का देवभूमि से सर्वप्रथम पारित करना हम सबके लिए गर्व की बात है और भारतीय जनता पार्टी अपने दृष्टिपत्र के अनुरूप कार्य कर रही है।

पटवारियों ने वेतन बिलों व देयकों के भुगतान की मांग की

नई टिहरी/टीम एक्शन इंडिया
विभिन्न मांगों व समस्याओं को लेकर पर्वतीय राजस्व निरीक्षक और राजस्व उपनिरीक्षकों ने टिहरी शाखा के संघ भवन में बैठक की। शासन-प्रशासन से राजस्व उपनिरीक्षकों की मांगों का निराकरण करने की मांग करते हुए कहा कि वेतन बिलों, देयकों का भुगतान तत्काल करें।
गुरुवार को राजस्व निरीक्षक संघ भवन में पर्वतीय राजस्व निरीक्षक, राजस्व उपनिरीक्षक एवं राजस्व सेवक संघ टिहरी शाखा से जुड़े कर्मचारियों ने संगठन के जिलाध्यक्ष यशपाल सिंह नेगी की अध्यक्षता में बैठक कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई।

भाजपा जिला मुख्यालय में पूर्व मंत्री धनाई का किया गया स्वागत

भव्य स्वागत

8 दिनेश धनाई भारी संख्या में समर्थकों के साथ गुरुवार को भाजपा के जिला कार्यालय नई टिहरी पहुंचे।

नई टिहरी/टीम एक्शन इंडिया
देहरादून में भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में भाजपा में शामिल होने के बाद पूर्व काबीना मंत्री दिनेश धनाई भारी संख्या में समर्थकों के साथ गुरुवार को भाजपा के जिला कार्यालय नई टिहरी पहुंचे। भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश नौटियाल ने पार्टी के अन्य पदाधिकारियों व कार्यकताओं के साथ उनका भव्य स्वागत किया। भाजपा की रीती-नीती पर चलकर जिले के विकास के लिए पूरे मन से काम करने का बात कही।
गुरुवार को भाजपा जिला मुख्यालय पर गहमागहमी रही। भाजपा जिला कार्यालय पर दोपहर में पूर्व काबीना मंत्री भाजपा में शामिल होने के बाद पहली बार पहुंचे, जहां पर भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश नौटियाल ने माला पहनाकर उनका स्वागत किया। उनके समर्थकों का भी भाजपा कार्यालय में स्वागत किया गया। इस मौके पर दिनेश धनाई ने कहा कि वे भाजपा में जिले के विकास की सोच लेकर आये हैं। भाजपा के साथ टिहरी के विकास में और मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि उनका पूरा प्रयास रहेगा की भाजपा की रीती-नीती पर चलते सबको साथ लेकर सकारात्मक नजरिये से काम करेंगे और भाजपा की कसौटी पर पूरी तरसे खरा उतरने का काम करेंगे।
भाजपा में जगह देने के लिए उन्होंने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व सहित भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश नौटियाल व सभी भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकताओं का आभार जताया।
भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश नौटियाल ने कहा कि दिनेश धनाई जमीन से जुड़े नेता हैं। भाजपा में आने से मजबूती मिलेगी। भाजपा हर स्तर पर अपने नेताओं को मजबूत करने का काम करेगी और विकास के लिए कदम से कदम मिलाने का काम करेगी।
इस मौके पर टिहरी भाजपा मंडल अध्यक्ष गोपी राम चमोली, जाखणीधार प्रमुख सुनीता देवी, चंबा प्रमुख शिवानी विष्ट, अल्प संख्यक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष तौफीक अहमद, असगर अली, गोविंद विष्ट, बलबीर नेगी, देवेंद्र बेलवाल, दर्मियान कंडारी, आनंदी नेगी, संजय मैठाणी, संदीप रावत, सुशील बहुगुणा आदि मौजूद रहे।

पुलिस ने दो तस्कर दबोचे, चरस बरामद

अभियान

8 नशा मुक्त करने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत सिडकुल पुलिस को आज बड़ी कामयाबी मिली।

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन के तहत जनपद को नशा मुक्त करने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत सिडकुल पुलिस को आज बड़ी कामयाबी मिली। पुलिस ने भारी मात्रा में चरस के साथ दो तस्करों को चैकिंग के दौरान गिरफ्तार किया है।
सिडकुल पुलिस चेकिंग अभियान पर थी। इसी दौरान पुलिस ने केविन केयर काले गेट के पास रोशनाबाद में दो बाइक सवारों को देखा। दोनों पुलिस को देखकर भागने लगे। पुलिस ने मशक्कत के बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी लेने पर दोनों के पास 4 किलो 800 ग्राम चरस बरामद हुई। पुलिस ने आरोपित दोनों लोकेंद्र सिंह पुत्र बृजपाल सिंह निवासी लाडनपुर हल्दौर जिला बिजनौर उत्तर प्रदेश के पास से 2 किलो 600 ग्राम चरस व रामवीर शर्मा पुत्र नरेश कुमार शर्मा ग्राम पीपली जट हीमपुर दीपा जिला बिजनौर उत्तर प्रदेश के पास से 2 किलो 200 ग्राम चरस बरामद की।

साबली में प्रज्ञा दीक्षित ने बांटे सैनेटरी नैपकिन

नई टिहरी/टीम एक्शन इंडिया
डीएम मयूर दीक्षित की पत्नी प्रज्ञा दीक्षित भी नियमित जनपद में सामाजिक सरोकारों को अंजाम दे रही हैं। इसके तहत उन्होंने गुरुवार को चंबा ब्लाक के साबली तल्ली के पं दीनदयाल उपाध्याय मिनी सचिवालय और राउप्रा विद्यालय साबली में किशोरी छात्राओं व महिलाओं को सैनेटरी नैपकिन वितरित कर माहवारी में साफ-सफाई की जानकारी दी। छात्रों के साथ मिड डे मिल खाकर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रज्ञा दीक्षित ने पं दीनदयाल उपाध्याय मिनी सचिवालय के सभागार साबली तथा राउप्रा विद्यालय साबली में किशोरियों एवं महिलाओं को सैनेटरी नैपकिन के फायदे, उपयोग करने और उपयोग करने बाद डिस्पोज करने के तरीके की जानकारी दी।

युवतियों के सर्वांगीण विकास में यूथ रेडक्रॉस शिविर का आयोजन महत्वपूर्ण : सुषमा

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
भारतीय रेडक्रॉस समिति हरियाणा, शाखा चंडीगढ़ का हरिद्वार के नंगली बेला आश्रम में 7 से 12 फरवरी तक लड़कियों के लिए यूथ रेडक्रॉस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।
शिविर का औपचारिक उद्घाटन भारतीय रेडक्रॉस समिति हरियाणा राज्य शाखा, चंडीगढ़ की वाइस चेयरपर्सन डॉक्टर सुषमा गुप्ता ने रैड क्रॉस के संस्थापक सर जीन हैनरी डुनान्ट की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्ज्वलित कर किया।इस अवसर पर उन्होंने बताया कि रेडक्रॉस हरियाणा द्वारा इस प्रकार के शिविरों का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है, जिसके माध्यम से स्वास्थ्य, सेवा व मित्रता के उद्देश्य को मद्देनजर रखते हुए विभिन्न प्रकार के विषयों पर जानकारी दी जाती है। उन्होंने प्रतिभगियों से कहा कि आप अपने जीवन में सफल होकर रैड क्रॉस के सिद्धांतों को अपने जीवन बनाये रखें। उन्होंने कहा कि माता-पिता हमें सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं, तो उनके सम्मान बनाए रखना जीवन का परम आवश्यक है, ताकि हमारे माता-पिता हम पर गर्व कर सकें।
कैम्प निदेशक रोहित शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए कहा कि इस शिविर में पूरे हरियाणा के 35 महाविद्यालयों, विश्वविद्यालय से 31 काउंसलर व 182 लड़कियां भाग ले रही हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के यूथ रैड क्रॉस शिविरों के आयोजन में रैड क्रॉस का इतिहास, आपदा प्रबंधन, नशा मुक्ति, मोबाइल का दुरूपयोग, बेसिक प्राथमिक सहायता, स्वस्थ जीवन शैली इत्यादि विषयों की जानकारी सांझा की जाएगी।
इस अवसर पर हरिद्वार रेडक्रॉस के सचिव नरेश चौधरी ने भी अपने विचार व्यक्त किये। रमेश चौधरी स्टेट ट्रेनिंग सुपरवाइजर द्वारा मुख्य अतिथि का धन्यवाद किया। पहले सत्र में शिविर निदेशक रोहित शर्मा द्वारा रेडक्रॉस के विस्तृत इतिहास बारे जानकारी प्रदान की।

यूसीसी विधेयक पास होने पर भाजपा ने मनाया जश्न

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
भारतीय जनता पार्टी कार्यकताओं ने उत्तराखंड की पुष्कर सिंह धामी सरकार का विधानसभा में समान नागरिक संहिता बिल पारित होने पर चंद्राचार्य चौक पर सैकड़ों की संख्या में पहुंचकर एक-दूसरे को मिष्ठान खिलाकर एवं आतिशबाजी कर उत्सव मनाया।
इस अवसर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं नगर विधायक मदन कौशिक ने कहा कि देश का पहला समान नागरिक संहिता विधेयक उत्तराखंड सरकार में पास हो गया है। 2 दिन की लंबी चर्चा के बाद सदन में ध्वनि मत से पास हुआ। इसके लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित सभी जनप्रतिनिधियों धन्यवाद के पात्र हैं। इसी के साथ-साथ विधानसभा में उत्तराखंड राज्य आंदोलन के चिन्हित आंदोलनकारी एवं उनके आश्रितों को राजकीय सेवा में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण देने वाला विधेयक संशोधन के साथ सदन में सर्वसम्मति से पारित हुआ।
भाजपा जिला अध्यक्ष संदीप गोयल ने कहा कि प्रदेश की धामी सरकार के नेतृत्व में पास हुआ यह ऐतिहासिक समान नागरिक संहिता बिल उत्तराखंड वासियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। सभी धर्म, समुदायों के लिए एक समान एक बराबर कानून अति आवश्यक था।
इस कानून के बनने से संपूर्ण प्रदेशवासियों में समानताओं का भाव उत्पन्न होगा। यह विधेयक मातृशक्ति के सम्मान व सुरक्षा के प्रति पुष्कर सिंह धामी सरकार के संकल्प को परिलक्षित करता है।
इस अवसर पर जिला महामंत्री आशु चौधरी, मंडल अध्यक्ष राजेश शर्मा, हीरा सिंह बिष्ट ,तरुण नैय्यर, लव शर्मा, मनोज गर्ग ,अनिल अरोड़ा विशाल गर्ग, सुनील शेट्टी, सचिन बेनीवाल, नकली राम सैनी, नेत्रपाल चौहान, सचिन शर्मा, सिद्धार्थ कौशिक, प्रीति गुप्ता, शीतल पुंडीर, सरिता यादव, सरोज जाखड़, रजनी वर्मा, मनोज शर्मा, अरुण आर्य, दीपांशु विद्यार्थी, आकाश भाटी, अनिल कुमार, कामिनी सदाना, सचिन अग्रवाल, राहुल शर्मा, विक्की शर्मा आदि उपस्थित रहे।

पर्यटकों को भा रहा विंटर डेस्टिनेशन ब्रह्मताल ट्रैक, हर दिन पहुंच रहे पर्यटक

बर्फबारी

8 बर्फबारी के बाद पर्यटक पहाड़ों का रुख करने लगे हैं, जिससे व्यवसायियों के चेहरे खिल उठे हैं

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
इस साल लंबे अरसे बाद हुई बर्फबारी नें पर्यटकों के चेहरे खिल उठे हैं। बर्फबारी के बाद भले ही पहाड़ के लोगों की दुश्वारियों में इजाफा हुआ हो,लेकिन पहाड़ों की सैर करने वाले पर्यटकों की बांछें खिली हुई हैं।
भारी बर्फबारी के बाद पर्यटक इन दिनों पहाड़ों का रुख करने लगे हैं, जिससे स्थानीय व्यवसायियों के चेहरे खिल उठे हैं। भारी बर्फबारी के बाद चमोली के औली के बाद देवाल ब्लाक के लोहजंग से भेंकलताल-ब्रह्मताल ट्रैक इन दिनों पर्यटकों से गुलजार है। हर दिन सैकड़ों पर्यटक यहां की खूबसूरती का आनंद लेने यहां आ रहे है। अहमदाबाद गुजरात से आये पर्यटक भाविन ठाकोर, उत्सव गज्जर, नवेदखान पठान, जय भट्ट ब्रह्मताल ट्रैक की खूबसूरती को देख अभिभूत हुए। टीम हिमालयन हायकर के ट्रैकिंग गाइड कविता दानू, सुरेन्द्र सिंह बिष्ट ने बताया की बर्फबारी होने से देश के कोने-कोने से पर्यटक यहां पहुंच रहे हैं। यहां की खूबसूरती देखकर हर कोई हतप्रभ है। प्रदेश सरकार को चाहिए कि लोहजंग-भेंकलताल-ब्रह्मताल ट्रैक को विकसित करने के लिए दीर्घकालीन योजनाओं को अमलीजामा पहनाये, जिससे न केवल पर्यटन बढेगा अपितु रोजगार के अवसर भी बढेंगे।ट्रैकिंग से जुडे.युवा हीरा सिंह गढ़वाली और प्रदीप कुनियाल ने बताया कि बर्फबारी से देवाल घाटी में पर्यटक बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। विंटर डेस्टिनेशन के रूप में वर्तमान में लोहजंग-भेंकलताल-ब्रहमताल और मोनाल टॉप पर्यटकों की पहली पसंद बना हुआ है। पर्यटकों की आमद होने से स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर मिल रहे हैं।

बीकेटीसी अध्यक्ष अजेंद्र ने केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर से की भेंट

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने नई दिल्ली में केंद्रीय सूचना व प्रसारण, युवा मामलों और खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर से भेंट की।
इस अवसर पर बीकेटीसी अध्यक्ष अजेंद्र ने कहा कि कोविड काल में चारधाम यात्रा पूरी तरह से बाधित हो चुकी थी। मगर प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री धामी के कुशल मार्गदर्शन में विगत दो वर्षों के दौरान चारधाम यात्रा ने नये कीर्तिमान स्थापित किए हैं।
अजेंद्र ने प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में केदारनाथ और बदरीनाथ धामों में मास्टर प्लान के तहत चल रहे निर्माण कार्यों की भी केंद्रीय मंत्री से चर्चा की। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को कपाट खुलने पर केदारनाथ और बदरीनाथ धाम की यात्रा का आमंत्रण भी दिया।

संपादकीय

जिंदगी परीक्षाओं से कहीं बड़ी और गहरी है

युवा पीढ़ी के लिए यह एक अद्भुत एहसास है, जब देश के प्रधानमंत्री उनका मनोबल बढ़ाने और समर्थन करने के लिए उनके जीवन का हिस्सा बन जाते हैं। वह भी ऐसे समय पर जब तनाव, भय, अवसाद और चिंता से उबरने में मदद करने के लिए मजबूत कंधे की आवश्यकता होती है। मैकाले शिक्षा प्रणाली ने बोर्ड परीक्षाओं और प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी कर रहे बच्चों के मन में उथल-पुथल मचा दी है। जबतक नई शिक्षा कार्ययोजना स्कूल, कॉलेज और संस्थानों में व्यवस्थित रूप से लागू नहीं हो जाती, तब तक बच्चों को निराशा, चिंता, नशीली दवाओं के दुरुपयोग और आत्महत्याओं में वृद्धि सहित मानसिक और भावनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का समाज के साथ मजबूत रिश्ता और जमीन पर काम करने का दशकों का अनुभव, साथ ही जमीन पर क्रियान्वित प्रणालियों व नीतियों और समाज पर प्रभाव के बारे में उनके व्यापक ज्ञान ने उन्हें शैक्षिक प्रणाली के बारे में बच्चों के दृष्टिकोण एवं उनकी कठिनाइयों को समझने में सहायता की। इसलिए उन्होंने हर साल बोर्ड परीक्षा से पहले छात्रों के साथ "परीक्षा पे चर्चा" चर्चा शुरू की। यह माता-पिता और बच्चों को परीक्षा को व्यापक और सकारात्मक दृष्टिकोण से देखने में सक्षम बनाता है, जिससे तनाव कम होता है और मन को आराम मिलता है। प्रश्न और उत्तर सत्र बच्चों और अभिभावकों के बीच किसी भी भ्रम को तुरंत दूर कर देता है। छात्रों को अपनी परीक्षाओं और जीवन के बारे में संक्षेप में क्या जानना चाहिए, आइए देखें। बच्चों को जीवन को व्यापक दृष्टिकोण से समझना होगा कि बोर्ड या प्रतियोगी परीक्षाएँ इस विशाल अस्तित्व का छोटा-सा हिस्सा हैं। जीवन के विभिन्न चरणों में अस्तित्व के विभिन्न पहलुओं की बहुत जागरूकता के साथ जांच की जानी चाहिए। हम देखेंगे कि जिन परेशानियों का हम सामना करते हैं वे समुद्र में एक बूंद के समान हैं। हम अपनी पढ़ाई या अपने जीवन में जिन समस्याओं और कठिनाइयों का सामना करते हैं, वे वास्तव में छिपे हुए आशीर्वाद की तरह हैं, क्योंकि वे उन आंतरिक गुणों को सामने लाते हैं जिन पर हमने अभी तक ध्यान केंद्रित नहीं किया है, वे हमारे जीवन में अपेक्षित विकास के लिए आवश्यक हैं। जब हम आत्मविश्वास और जुनून के साथ बाधाओं का सामना करते हैं तो हमारा व्यक्तित्व और चरित्र चमक उठता है। हम भगवान श्रीराम की उनके सबसे कठिन जीवन के कारण पूजा करते हैं। कैसे उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी शांतिपूर्ण दिमाग, महान वीरता बनाए रखी, लोगों की सहायता करने के हर अवसर को सहजता से देखा और सभी स्थितियों में शांति बनाए रखी। जब हम उनके जीवन पर नजर डालते हैं तो सबसे महत्वपूर्ण घटना वह थी जब उन्हें महल छोड़ कर 14 वर्षों के लिए निर्वासन में रहने के लिए कहा गया था। क्या कोई इस तथ्य को आसानी से समझ सकता है कि अगले दिन भगवान श्रीराम को राजा बनना था, लेकिन उससे एक रात पहले ही उन्हें 14 साल के लिए वनवास पर जाने के लिए कहा गया था। भगवान श्रीराम ने अपने जीवन के इस कठिन दौर को बिना किसी संदेह या कठिनाई के स्वीकार किया और खुशी-खुशी महल से बाहर जाना स्वीकार कर लिया। श्रीराम का जीवन बच्चों को यह दिशा देता है कि कैसे हर कठिनाई को शांत मन से देखें, परिवर्तन को पूरे दिल से स्वीकार करें और चिंता, भय, संदेह, क्रोध, नकारात्मक दबाव के बिना अपने लक्ष्य की प्राप्त के लिए शांति और जुनून के साथ प्रयास करें।

चिंता बढ़ाती है ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रिपोर्ट

रोहित माहेश्वरी

> बढ़ता हुआ भ्रष्टाचार आचरण दोष का ही परिणाम है। आजकल अखबारों, टीवी और रेडियो में एक ही खबर सुनने-देखने को मिल रही है, वह है भ्रष्टाचार की। हर दिन भ्रष्टाचार के काले करनामे उजागर हो रहे हैं। देश में भ्रष्टाचार को मिटाकर सभी नागरिकों को रोटी, कपड़ा और मकान जैसी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करना सरकार का काम ही नहीं, बल्कि राजनीतिक धर्म भी होता है। लेकिन आजादी से लेकर अब तक देश की सरकारें भ्रष्टाचार को मिटाने में विफल रही हैं। दरअसल, जब तक भ्रष्टाचार की राजनीतिक बुनियाद पर चोट नहीं की जाती, भ्रष्टाचार के खिलाफ कोई भी मुहिम तार्किक परिणति तक नहीं पहुंच सकती। चुनाव कितने खर्चीले हैं, चुनावों में कितना बेहिसाब धन बहाया जाता है, हर कोई जानता है

भारत में वैसे तो अनेक समस्याएं विद्यमान हैं जिसके कारण देश की प्रगति धीमी है। उनमें प्रमुख है बेरोजगारी, गरीबी, अशिक्षा, आदि लेकिन उन सबमें वर्तमान में सबसे ज्यादा यदि कोई देश के विकास को बाधित कर रहा है तो वह है भ्रष्टाचार की समस्या। आज इससे सारा देश संत्रस्त है। लोकतंत्र की जड़ो को खोखला करने का कार्य काफी समय से इसके द्वारा हो रहा है। और इस समस्या की हद यह है कि इसके लिए भारत के एक पूर्व प्रधानमंत्री तक को कहना पड़ गया था कि रुपए में मात्र बीस पैसे ही दिल्ली से आम जनता तक पंहुच पाता है। वास्तव में यह स्थिति सिर्फ एक दिन में ही नहीं बनी है। भारत को जैसे ही अंग्रेजी दासता से मुक्ति मिलने वाली थी उसे खुली हवा में सांस लेने का मौका मिलने वाला था उसी समय सत्तालोलुप नेताओं ने देश का विभाजन कर दिया और उसी समय स्पष्ट हो गया था कि कुछ विशिष्ट वर्ग अपनी राजनैतिक भूख को शांत करने के लिए देश हित को ताक में रखने के लिए तैयार हो गये हैं। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की हाल में जारी रिपोर्ट में भ्रष्टाचार सूचकांक में भारत का स्थान दुनिया के 180 देशों में 93वां आंका गया है। वहीं संस्था द्वारा निर्धारित हमारे समग्र स्कोर में कोई बदलाव नहीं है। बीते वर्ष भारत का स्थान 85वां आंका गया था। लिहाजा विश्व रैंकिंग में यह स्थिति आठ स्थान खिसकी है। हालांकि, ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल का भ्रष्टाचार मापने का पैमाना कितना पारदर्शी है और वह पश्चिमी ताकतों के दबाव से कितना मुक्त है, कहना कठिन है,लेकिन फिर भी रिपोर्ट हमें आत्ममंथन का मौका तो देती है। दरअसल, संस्था इस सूचकांक में विशेषज्ञों और व्यापारिक लोगों की धारणा के आधार पर सार्वजनिक क्षेत्र के भ्रष्टाचार के स्तरों को केंद्र में रखकर दुनिया के 180 देशों और क्षेत्रों की रैंकिंग निर्धारित करती है। साथ ही इस रैंकिंग के लिये शून्य से सौ तक के पैमाने का प्रयोग किया जाता है। यानी जहां जीरो है वह सर्वाधिक भ्रष्ट है और सौ सर्वाधिक ईमानदारी का सूचक है। इस पैमाने पर बीते वर्ष में भारत का समग्र स्कोर 39 रहा। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में हमारा समग्र स्कोर चालीस था।

वहीं भ्रष्टाचार के दलदल में फंसे पाकिस्तान का स्थान दक्षिण एशिया में

133 व श्रीलंका का स्थान 115 निर्धारित किया गया। जिसमें राजनीतिक अस्थिरता व कर्ज के दबाव को भी कारक बताया गया है। लेकिन वहीं दूसरी ओर चीन ने अपने 35 लाख से अधिक सार्वजनिक अधिकारियों को दंडित करके अपनी आक्रामक भ्रष्टाचार विरोधी नीति से दुनिया का ध्यान खींचा है। फलतः उसका स्थान इस सूची में 76वां रहा है। दरअसल, एशिया प्रशांत क्षेत्र में वर्ष 2024 चुनावी वर्ष है।

जिसके चलते पूरी दुनिया की निगाह भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, दक्षिण कोरिया व ताइवान पर लगी रही हैं। उल्लेखनीय है कि एशिया प्रशांत क्षेत्र के 71 फीसदी देशों में भ्रष्टाचार मापने का मानक सीपीआई वैश्विक औसत 43 से नीचे रहा है। भारत में भ्रष्टाचार का रोग बढ़ता ही जा रहा है। हमारे जीवन का कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं बचा, जहां भ्रष्टाचार के असुर ने अपने पंजे न गड़ाए हों। भारत नैतिक मूल्यों और आदर्शों का कब्रिस्तान बन गया है। देश की सबसे छोटी इकाई पंचायत से लेकर शीर्ष स्तर के कार्यालयों और क्लर्क से लेकर बड़े अफसर तक, बिना घूस के आज सरकारी फाइल आगे ही नहीं सरकती। निस्संदेह, किसी भी देश के लिये वैश्विक भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक में ऊंचे स्तर पर रहना चिंता की बात होनी चाहिए। यह अवसर आत्ममंथन का भी होता है कि क्यों उसके लिये वैश्विक स्तर पर ऐसी धारणा बनी है। यह भी कि हम सार्वजनिक क्षेत्र में भ्रष्टाचार को कैसे कम कर सकते हैं। वैसे तो ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रिपोर्ट में उल्लेखित भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक विश्व बैंक, विश्व आर्थिक मंच, निजी जोखिम और परामर्श संगठनों, थिंक टैंक और अन्य सहित तेरह बाहरी स्रोतों की जानकारी पर आधारित होता है। लेकिन राजनीतिक दुराग्रहों से मुक्त होकर देश के स्तर पर ऐसी एजेंसी होनी चाहिए जो सार्वजनिक क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार का न केवल ईमानदार मूल्यांकन करे बल्कि उस पर नियंत्रण के कारगर उपाय भी सुझाए। यह स्थिति हम सब की चिंता का विषय होनी चाहिए कि क्यों हम सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में विफल हो रहे हैं। कई बार राजनेताओं और बहुधंधी लोगों के यहां नोटों के जो पहाड़ ईडी और आयकर विभाग की कार्रवाई में बरामद होते हैं, वे एक आम आदमी को विचलित करते हैं।

आम आदमी सोच में पड़ जाता है कि एक ईमानदार व्यक्ति हाड़-तोड़ मेहनत के बाद दो जून की रोटी और एक छत का जुगाड़ मुश्किल से कर पाता है, वहीं भ्रष्ट लोग नोटों के अंबार लगा देते हैं। वे कौन से व्यवस्था के छिद्र हैं जो भ्रष्ट लोगों को अकूत संपदा जुटाने का मौका देते हैं। भ्रष्टाचार की दीमकें हमारी सारी व्यवस्था को खोखला कर रही हैं। कभी सोने की चिड़िया कहा जाने वाला भारत आज भ्रष्टाचार के कीचड़ में धंस चुका है। हमारे नैतिक मूल्य और आदर्श सब स्वाहा हो चुके हैं।

बढ़ता हुआ भ्रष्टाचार आचरण दोष का ही परिणाम है। आजकल अखबारों, टीवी और रेडियो में एक ही खबर सुनने-देखने को मिल रही है, वह है भ्रष्टाचार की। हर दिन भ्रष्टाचार के काले करनामे उजागर हो रहे हैं। देश में भ्रष्टाचार को मिटाकर सभी नागरिकों को रोटी, कपड़ा और मकान जैसी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करना सरकार का काम ही नहीं, बल्कि राजनीतिक धर्म भी होता है। लेकिन आजादी से लेकर अब तक देश की सरकारें भ्रष्टाचार को मिटाने में विफल रही हैं। दरअसल, जब तक भ्रष्टाचार की राजनीतिक बुनियाद पर चोट नहीं की जाती, भ्रष्टाचार के खिलाफ कोई भी मुहिम तार्किक परिणति तक नहीं पहुंच सकती। चुनाव कितने खर्चीले हैं, चुनावों में कितना बेहिसाब धन बहाया जाता है, हर कोई जानता है। लेकिन यह कितने लोग जानते हैं कि यह सारा धन किन जगहों से, किन स्रोतों से जुटाया जाता है? चुनावों में खर्च होने वाले धन का अधिकांश स्रोत अज्ञात रहता है। जब तक चुनाव पूरी तरह पारदर्शी और सादगीपूर्ण नहीं होंगे, भ्रष्टाचार पर अंकुश नहीं लग पाएगा। भारत में हर दिन भ्रष्टाचार के औसतन 11 मामले दर्ज किए जाते हैं। 2021 के मुकाबले 2022 में भ्रष्टाचार के मामलों में करीब 11 फीसदी का इजाफा हुआ है। एनसीआरबी की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2021 में जहां कुल 3,745 मामले सामने आए थे, तो वहीं 2022 में बढ़कर 4139 हो गए। कैसे राजनीति में आने के बाद लोग रातों-रात करोड़पति हो जाते हैं। कैसे लोग मोटा पैसा चुनाव में खर्च करने के लिये जुटाते हैं और फिर चुनाव जीतकर धन का तीन-तेरह करते हैं। निश्चित रूप से भ्रष्टाचार की कीमत समाज में ईमानदार लोगों को ही चुकानी पड़ती है। ये उस व्यक्ति के साथ अन्याय ही है। मोदी सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ पिछले दस सालों पर काफी शिकंजा कसा है। राजनीतिक भ्रष्टाचार पर लगातार कार्रवाई जारी है। भ्रष्ट सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की गई है। सरकार की सख्ती और कानून के बाद भी भ्रष्टाचार समाज में व्याप्त है। असल में हमें यह विचार करना होगा कि आने वाली पीढ़ियों के लिये हम कैसा भारत छोड़कर जाएंगे, जहां उन्हें कदम-कदम पर भ्रष्टाचार से जूझना पड़ेगा। जो कालांतर समाज में हताशा, निराशा और आक्रोश को ही जन्म देता है। नीति-नियंताओं को गंभीरता से इस दिशा में सोचना चाहिए।

कविता

पानी है तो सब कुछ है।
पानी की एक-एक बूंद बचाएं।
जीवन में है पानी की
बड़ी सार्थकता ।
जल एक परम आवश्यकता ।
व्यक्तित्व में पानी होना चाहिए,
पर पानी पानी नहीं होना चाहिए,
पानी है तो सब कुछ है आब,
नहीं तो समझो सब कुछ ख्वाब।
पुरुष के चेहरे का रुआब पानी है,
नारी के चेहरे की लज्जा पानी ही है,
शरीर मे भी तो मिट्टी
और अधिकांश पानी है,
नौनिहालों के लिए,
मां के
स्तन से निकला अमृत
भी पानी है।
पानी के महत्व को
सुना गए ज्ञानी, ध्यानी,
सुबह शाम और संध्या
की जरूरत सिर्फ पानी,
नदिया, झरने, पोखर बचाओ
यह यज्ञ है मित्रों
साथ साथ आओ,
यदि धरा पर पानी ना होगा,
जीवन इतना पानीदार,
इतना जीवंत कहां होगा,
जमीन जंगल वृक्ष लताएं,
पानी की निर्झरिणी से
बहती गंगा की धाराएं।

श्याम कुमार

स्वीकार का साहस

विजय गर्ग

जिंदगी में सुकून, सम्मान और सफलता की चाहत हर किसी को होती है, लेकिन इसे पाने के लिए कुछ ऐसे नैतिक मूल्य हैं, जिनको अपनाना बेहद जरूरी है। बचपन से ही हमें सही ज्ञान, संस्कार और गुण मिले हैं, जिनसे हम सही गलत का बोध कर पाते हैं, सही दिशा का चुनाव कर पाते हैं, गलत चीजों को नकार पाते हैं तो यही हमारे व्यक्तित्व को ऊंचा उठाने में मदद करेगा । नेपोलियन हिल ने इस संदर्भ में बहुत अच्छी बात कही है कि जीवन संघर्ष में संस्कार, नैतिक मूल्य और मानवीय गुण एक व्यक्ति के सबसे बड़े शास्त्र और औजार होते हैं, जिनके माध्यम से वह जीवन को सुकूनदेह और सार्थक बना सकता है और सफल हो जाता है।

किसी भी देश, समाज या परिवार में रहने के कुछ कायदे होते हैं और इनके प्रति हमारी कुछ जिम्मेदारियां भी होती हैं। देश या समाज का नागरिक ही उसकी सबसे बड़ी ताकत होता है। अगर हम खुद को, अपने देश और समाज को सुकून, सम्मान और सफलता दिलाना चाहते हैं, तो अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों, जैसे कचरा और प्रदूषण न फैलाना, अवैध और गैरकानूनी कामों में लिप्त न रहना और लोगों की मदद करना आदि को अपने व्यक्तित्व में शामिल कर लेना चाहिए । विंस्टन चर्चिल ने कहा था कि महानता की कीमत जिम्मेदारी है। यानी हमको लोगों से सम्मान पाना है और एक सफल व लोकप्रिय इंसान बनना है तो समाज के प्रति जिम्मेदार, उदार और कर्तव्यनिष्ठ होना पड़ेगा। कहने का आशय यह कि समाज का जैसा व्यवहार हम अपने लिए अपने लिए अपेक्षा करते हैं, वैसा ही व्यवहार हमें समाज को देना चाहिए। तभी हम समाज से अच्छे व्यवहार का अधिकार पाने की उम्मीद कर सकते हैं। यों भी यह महत्त्वपूर्ण है कि हम दूसरों के प्रति वैसा ही व्यवहार करें, जैसे व्यवहार की हम दूसरों से अपने प्रति अपेक्षा करते हैं ।

दरअसल, संवेदनशीलता भी एक आवश्यक मानवीय गुण है। हम दूसरों के सुख-दुख, उनके दर्द का खयाल रखें और उनके प्रति नरमी और दयालुता का भाव रखें तो बदले में हमें भी दूसरों से ऐसा ही व्यवहार मिलता है। इससे सामाजिक दायरा भी बढ़ता है और हमारी विश्वसनीयता में भी इजाफा होता है । नतीजतन, हम अपने पेशेवर या कारोबारी जीवन में भी हर किसी के चहेते बन जाते हैं और सफलता की राह पर आगे बढ़ते चले जाते हैं। समाज में सम्मान उन्हीं लोगों को मिलता है जो दूसरों के प्रति संवेदनशील और परोपकारी होते हैं । यह गुण सफलता और मानसिक सुकून के लिए भी बेहद जरूरी है। दूसरों को दुख देने या परेशान करने की कोशिश करने में संलिप्त लोग हमेशा बेचैन रहते हैं और अपने ही व्यक्तित्व के दर्जे को कमतर करने में जाने-अनजाने सहभागी बनते हैं । कड़वे वचन हमेशा अप्रिय होते हैं। जीवन में सम्मान और सफलता पाने के लिए विनम्र होना बेहद जरूरी है। यह हम अपने अनुभव से भी समझ सकते हैं कि अगर कोई व्यक्ति हमसे नाहक ही कड़वी भाषा में बात करता है, तो हमें वह अच्छा नहीं लगता।

विचार

कुचलना ही होगा पाक-चीन के लिए जासूसी करने वालों को

आर.के. सिन्हा

एक बार फिर से पाकिस्तान को भारत की रक्षा संबंधी तैयारियों की खबर देने वाले धूर्त शख्स की गिरफ्तारी से साफ है कि अब भी देश में आस्तीन के सांप हैं। उन्हें सख्ती से पूरी तरह से कुचलना ही होगा। चंद सिक्कों की खातिर अपने देश को बेचना उसी तरह से है, जेसे कोई राक्षस प्रवृति का शख्स कुछ पैसों के लालच में अपनी मां के खून का सौदा कर लें। यूपी एटीएस के हाथ बड़ी सफलता लगी है। एटीएस की टीम ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने वाले एक भारतीय युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी सतेंद्र सिवाल विदेश मंत्रालय के मल्टी टास्किंग स्टाफ में काम करता था। वर्तमान में वह मास्को स्थित भारतीय दूतावास में कार्यरत था। सतेंद्र हापुड़ का रहने वाला है। यूपी एटीएस से पूछताछ में उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है।अच्छी-खासी पगार पाने वाला एक सरकारी कर्मी का जमीर इस कद्र गिर जाएगा कि वह कुछ अतिरिक्त धन के लालच में देश के साथ गद्दारी करेगा, यह सोचना भी आसान नहीं होता। सतेंद्र जैसे देश के दुश्मनों को सीधे मौत की सजा मिलनी चाहिए। अगर उन्हें हल्की सजा मिलेगी तो वह उन शहीदों का अपमान होगा जिन्होंने देश की खातिर अपनी जान का नजराना दिया। सतेंद्र जैसे लोगों को दुश्मन से दोस्ती करते हुए यह ख्याल क्यों नहीं आता कि पाकिस्तान ने भारत पर बार-बार हमला किया है। हालांकि, उसे हर बार कसकर मार पड़ी। जब वह सीधे हमले में शिकस्त खाता रहा तो उसने 2001 में मुंबई में खुफिया ढंग से आतंकी हमला करवाया। वह भारत के खिलाफ लगातार कठमुल्लों को खाद-पानी देता रहा। आपको गद्दार महिला जासूस माधुरी गुप्ता की कहानी का तो पता ही होगा। माधुरी गुप्ता भारतीय विदेश सेवा की ग्रुप की अफसर थी। अपनी लगभग ढाई दशक लम्बी सेवा में माधुरी गुप्ता ने पाकिस्तान इराक, लाइबेरिया, मलेशिया और क्रोएशिया में नौकरी की। उसकी उर्दू पर अच्छी पकड़ थी। सूफियाना मिजाज वाली माधुरी साहित्यिक गतिविधियों में भी सक्रिय रहती थी। खुले ख्यालों वाली माधुरी धूम्रपान, शराब-सेवन, गुटका खाने और पुरुष-मित्रों से सम्बन्ध बनाने के लिए खास तौर पर जानी जाती थी। इस्लामाबाद-स्थित भारत के उच्चायोग में पोस्टिंग के दौरान माधुरी गुप्ता को उर्दू की सही सी जानकारी होने के कारण पाकिस्तानी मीडिया पर नजर रखने का काम सौंपा गया था। पाकिस्तान में पोस्टिंग के बमुश्किल छह महीने बीतते-बीतते माधुरी जमशेद नाम के व्यक्ति के चंगुल में फंस गई। भारत सरकार के अधिकारियों को जब आभास हुआ कि माधुरी शत्रु के जासूसी षड्यंत्र में फंस गयी है तो पुष्टि के लिए उसके माध्यम से एक गलत सूचना जानबूझ कर भेजी गयी। परिणामस्वरूप, खुफिया सूचनाओं को लीक करने का माधुरी के कारनामों का पक्का यकीन हो गया। उसे भूटान में आयोजित होने वाले सार्क समिट की तैयारियों के बहाने स्वदेश वापस बुलाया गया। 22 अप्रैल 2010 को वह वह ज्यों ही दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरी भारतीय खुफिया एजेंसी के लोगों ने उसे अपनी पकड़ में ले लिया और पूछताछ के लिए अज्ञात स्थान पर ले गये। पूछताछ से पता लगा कि वह आईएसआई के दो जासूसों से सांठगाँठ करके उन्हें खुफिया सूचनाएं सप्लाई करतीहै। इन आरोपों के आधार पर 20 जुलाई 2010 को माधुरी को गिरफ्तार कर लिया गया और उसे न्यायिक हिरासत में रखा गया। 21 महीने जेल में रहने के बाद 7 जनवरी 2012 को उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया। 18 मई 2018 को दिल्ली के अतिरिक्त सेशंस जज सिद्धार्थ शर्मा ने जासूसी के लिए माधुरी को 3 वर्षों की सजा सुनाई। मुझे लगता है कि माधुरी जैसे गद्दारों को और अधिक और कड़ी सजा दी जानी चाहिए थी। उसे उसकी करतूत के लिए बहुत कम सजा मिली। जैसा कि मैं ऊपर कह चुका हूँ कि देश के गद्दारों की एक ही सजा हो सजाये मौत> पाकिस्तान की तरफ से उसके राजधानी दिल्ली स्थित उच्चायोग से भी जासूसी की जाती थी। भारत सरकार ने 1950 के दशक में चाणक्यपुरी में विभिन्न देशों को भू-भाग आवंटित किये थे। पाकिस्तान को भी इस आशा के साथ बेहतरीन जगह पर अन्य देशों की अपेक्षा बड़ा प्लाट दिया गया था कि वह भारत से अपने संबंधों को मधुर बनाएगा। पर पाकिस्तान ने भारत को निराश ही किया। वह अपनी करतूतों से न बाज आया न ही सुधरा।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआईः UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक रवि भारद्वाज, दैनिक एक्शन इंडिया कार्यालय, 7/1, बल्लूपुर रोड, डॉ टीपी पटनायक के सामने, कृष्ण नगर चौक के पास, देहरादून, उत्तराखण्ड ने मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, शक्ति कॉम्प्लेक्स, 6/18, समयपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110042 से छपवाकर प्रकाशित किया। "एक्शन इंडिया" में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक केवल पीआरबी एक्ट के तहत ही उत्तरदायी। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी
समूह संपादक : रवि भारद्वाज (9999889104)
स्थानीय संपादक : हिमांशु अनिकेत (9837313943)
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अतः समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

परीक्षाओं को नकल से मुक्त करने का प्रयास

विजय गर्ग

किसी भी प्रतियोगिता का उद्देश्य काबिलियत की परख करना होता है। पुराने जमाने में यह काम शासकों की सेनाओं में भर्ती के लिए किया जाता था। तब ऐसे परीक्षाओं का पैमाना शारीरिक सौष्ठव हुआ करता था। आधुनिक समय में किसी भी प्रतियोग परीक्षा में पढ़ाई-लिखाई और दिमागी समझ इसका आधार बनी, पर योग्यता तय करने के जिस परीक्षा की जरूरत होती है, अगर उसमें कदाचार यानी नकल और पर्चा लीक जैसे घुन लग जाएं तो क्या होगा? यह एक ऐसा सवाल है, जिससे निजात पाने की हर कोशिश पिछले एक-डेढ़ दशक में नाकाम साबित होती रही है। खास तौर से पेपर लीक और नकल कराने के मामलों में संगठित गिरोहों की घुसपैठ ने हालात बद से बदतर ही किए हैं, पर अब इसका एक पक्का इलाज मिलने जा रहा है। सख्ती का उद्देश्य इसके लिए केंद्र सरकार ने संसद में सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) विधेयक 2024 बिल पेश किया है। लोकसभा और राज्यसभा में पारित होने के पश्चात इसे राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएग राष्ट्रपति की मुहर लगते ही यह विधेयक कानून का रूप ले लेगा। इस विधेयक में नकल और पर्चा लीक आदि परीक्षा से जुड़े कदाचार के मामलों में एक करोड़ रुपये तक के जुमार्ने और 10 साल कैद का प्रविधान किया गया है। सभी तरह की सरकारी परीक्षाओं में किसी भी किस्म की गड़बड़ी करने वालों पर पूरी तरह लगम लगने के उद्देश्य से लाए गए इस विधेयक का मकसद देश के योग्य और प्रतिभावान युवाओं के साथ संगठित गिरोहों की हरकतों के कारण हो रही ज्यादती पर रोक लगाना भी है। हालांकि तमाम भर्ती परीक्षाओं में हो रही धांधलियों की रोकथाम के लिए कुछ राज्यों ने सख्ती की है। पेपर लीक जैसे मामलों में शमिल लोगें पर रासुका (राष्ट्रीय सुरक्षा कानून) के तहत कार्रवाई की गई हैं, लेकिन समय-समय पर आ रही कदाचार की घटनाओं से साबित हुआ है कि भर्ती परीक्षाओं में अवैध तरीकों से नैया पार लगाने की कोशिशें निरंतर जारी हैं। इसकी बड़ी वजह ऐसी धांधलियों के जरिये होने वाली बेहिसाब कमाई है, जिस कारण ऐसे काम संगठित गिरोह बनाकर अंजाम दिए जा रहे हैं।

बेकाबू होती कीमतें

संजीव ठाकुर

भारत में महंगाई का स्तर अभूतपूर्व तरीके से अचानक उच्चतम सीमा से ऊपर हो गया है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ हिंदुस्तान में ही महंगाई का परचम भयानक तौर पर लहरा रहा है। पेट्रोल ,डीजल, गैस के दाम तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्रूड आयल के दाम बढ़ने से बढ़ते हैं, फिर अलग अलग राज्य सरकारें उस पर कर लगाकर दाम बढ़ाने का काम करती है पर मूल रूप से वैश्विक स्तर पर महंगाई करोना के भयानक संक्रमण और रूस यूक्रेन युद्ध की भयानक विभीषिका की परिणति ही है। रूस के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों ने तो महंगाई में आग ही लगा के रख दी है। रूस अब किसी भी कीमत पर यूरोपीय देशों तथा अन्य पश्चिमी देशों को पेट्रोल डीजल गैस देने की मनः स्थिति में नहीं है, उस पर रूस पर यूरोपीय तथा नेटो देशों का प्रतिबंध भी महंगाई का बड़ा कारण है। रूस का अमानवीय तरीके से यूक्रेन पर आक्रमण और लगभग एक करोड़ यूक्रेन के नागरिक अन्य देशों में शरणार्थी बनकर रहने के कारण ही यूरोप में महंगाई बहुत बढ़ गई है। भारत के परिपेक्ष में महंगाई अब चरम सीमा पर है आम आदमी का जीना मुश्किल दर मुश्किल होता जा रहा है। पाकिस्तान, बांग्लादेश के अलावा श्रीलंका में तो महंगाई ने सरकार का तख्ता ही पलट दिया है।

पाकिस्तान में भी सत्ता परिवर्तन का कारण महंगाई तथा बेरोजगारी ही रही है। रूस यूक्रेन युद्ध के इतने महीने बाद भी अमानवीय क्रूर विभीषिका थमने का नाम नहीं ले रही है। यूक्रेन के करोड़ों लोग बेघरबार हो गए हैं।

यूक्रेन की अरबों रुपए की संपत्ति युद्ध की भेंट चढ़ चुकी है, यूक्रेन में नागरिकों का कोहराम मचा हुआ है। ऐसे समय में संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव एंटोनियों गुतारेस की रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से शांति बहाल हेतु शांति वार्ता मानवता के लिए सर्वाधिक सकारात्मक एवं अहम पहल है। अब रूस, यूक्रेन युद्ध भयानक तथा क्रूरतम रूप ले चुका है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पूरी तरह अपनी सनक में आकर यूक्रेन को बबार्दी के अंतिम छोर पर पहुंचाना चाह रहे हैं। ऐसा नहीं है कि सिर्फ अड़ियल रवैया रूस ही दिखा रहा है बल्कि यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेन्सकी भी ना जाने किस घमंड और गुमान पर अड़े हुए हैं।

न्यूज फ्लैश

बीएसवी ने एफओजीएसआई के साथ गठबंधन किया

नोएडा । भारत में अग्रणी बायोफार्मास्युटिकल कंपनी भारत सीरम्स एण्ड वैक्सीन्स लिमिटेड (बीएसवी) ने फेडरेशन ऑफ ऑब्स्टेट्रिक एण्ड गायनेकोलॉजिकल सोसायटीज ऑफ इंडिया (एफओजीएसआई) की स्टडी ऑन फीमेल ब्रेस्ट कमिटी के साथ गठबंधन किया है। यह गठबंधन रिश्ता इनिशिएटिव 2024 के माध्यम से स्तनपान एवं प्रसव के बाद की देखभाल पर जागरूकता बढ़ाने के लिये किया गया है। रिश्ता पहल स्तनपान से स्वास्थ्य को मिलने वाले फायदों पर चिकित्सा-सहायकों को शिक्षित करते हुए स्तनपान के लिये अनुकूल एवं सहयोगी परितंत्र को बढ़ावा देने की एक कोशिश है। रिश्ता 2024 प्रशिक्षण के दो फॉर्मेट्स पर केन्द्रित है : एक कार्यक्रम चिकित्सा पेशेवरों को ट्रेन द ट्रेनर प्रोग्राम के माध्यम से शिक्षित करने पर केन्द्रित है। अपने पहले चरण में यह छह शहरों में पायलट के तौर पर चलेगा। अनुभवी गायनेकोलॉजिस्ट्स सत्रों का संचालन करेंगे और इसमें नई दिल्ली, बरेली, पटना, लखनऊ, फरीदाबाद और देहरादून को शामिल किया जाएगा। दूसरे कार्यक्रम में चिकित्सा-सहायकों के लिये ऑनलाइन प्रशिक्षण होगा। इसमें स्तनपान की तकनीकों पर प्रशिक्षण सात वेबिनारों के माध्यम से मातृभाषाओं में दिया जाएगा। इंडिया बिजनेस, बीएसवी के सीओओ आलोक खेत्री के अनुसार, महिलाओं की सेहत के लिये एक प्रतिबद्ध कंपनी होने के नाते हेल्दी भारत बनाने की कोशिशें करना हमारी जिम्मेदारी है। इसके अनुसार हम एफओजीएसआई के साथ गठजोड़ कर और रिश्ता के साथ जुड़कर बहुत खुश हैं। रिश्ता पहल नवजात शिशुओं और माताओं की सेहत के लिये स्तनपान के महत्व को बढ़ावा देती है। हमें विश्वास है कि ऐसे गठजोड़ स्तनपान के सुरक्षित अभ्यासों और स्तनपान की परेशानियों का जल्दी पता लगाने पर जागरूकता फैलाने में हमारी मदद करेंगे।

जेएसडब्ल्यू वन ने जेएसडब्ल्यू वन टीएमटी के लॉन्च की घोषणा की

गाजियाबाद। 23 बिलियन अमेरिकी डॉलर के मूल्यांकन वाले जेएसडब्ल्यू ग्रुप की सहायक कंपनी, जेएसडब्ल्यू वन ने आज जेएसडब्ल्यू वन टीएमटी के लॉन्च की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य गुणवत्ता और विश्वसनीयता के लिए नए मानक स्थापित करते हुए, भारत की निर्माण महत्वाकांक्षाओं को सशक्त बनाना है। बीआईएस-प्रमाणित जेएसडब्ल्यू वन टीएमटी बार्स, ग्राहकों को एक टीएमटी में 10 गुना लाभ प्रदान करके नए मानक स्थापित करते हैं। इसमें श्रेणी की सर्वश्रेष्ठ रिब डिजाइन, बेहतर रसायन विज्ञान, संक्षारण प्रतिरोध, यूरोपीयन तकनीक, बजट अनुकूलता, उच्चतम लचीलापन और मोड़ने की क्षमता, बढ़ी हुई संरचनात्मक शक्ति, सर्वोच्च कंक्रीट पकड़, समान गेज और आयाम तथा गर्मी / भूकंप प्रतिरोध शामिल है, जो कि जेएसडब्ल्यू की विरासत के रूप में इसके स्टील में निहित है। जेएसडब्ल्यू वन टीएमटी बार्स, गुणवत्ता और प्रदर्शन के अंतर को खत्म करते हैं, जिसका अक्सर ग्राहकों और निर्माण कंपनियों द्वारा सामना किया जाता है। ये सरिए अपने साथ क्षेत्रीय बाजारों में प्रचलित स्थानीय गैर-मानक टीएमटी ब्रैंड्स की चुनौती का समाधान लेकर आते हैं। पार्थ जिंदल, डायरेक्टर, जेएसडब्ल्यू वन प्लेटफॉर्म्स, ने कहा, "जैसा कि हम टेक्नोलॉजी के माध्यम से पूरे भारत में अपनी पहुँच का विस्तार कर रहे हैं, हम पाते हैं कि बाजार में हमारे ग्राहकों को किफायती कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाले टीएमटी खोजने के लिए भारी संघर्ष करना पड़ता है। बाजार में अमानक और अपुष्ट प्रोडक्ट्स की भरमार है। इन्हीं बाजारों को हम जेएसडब्ल्यू वन के लिए अरबों डॉलर के एक बड़े अवसर के रूप में देखते हैं। इसे संबोधित करने के लिए ही हमने प्राइवेट ब्रैंड्स बिजनेस की स्थापना की है। जेएसडब्ल्यू वन टीएमटी हमारा पहला प्राइवेट ब्रैंड प्रोडक्ट है।

कर्ण कैनाल तथा रघुनाथ मंदिर मार्ग के दिन जल्द बहुरेंगे

अनुमानित 4.66 करोड़ से होंगे सीसी सडक, बरसाती नाला तथा रोड फर्नीचर के कार्य

टीम एक्शन इंडिया/करनाल /राजकुमार प्रिंस। कर्ण कैनाल (मुगल कैनाल) रोड तथा रघुनाथ मंदिर मार्ग के दिन जल्द बहुरेंगे। निवर्तमान महापौर रेनू बाला गुप्ता तथा मुख्यमंत्री प्रतिनिधि संजय बठला ने गुरूवार को कर्ण कैनाल तथा बुधवार को रघुनाथ मंदिर मार्ग का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर वार्ड 13 व 10 के निवर्तमान पार्षद ईश गुलाटी व वीर विक्रम कुमार, नगर निगम की कार्यकारी अभियंता मोनिका शर्मा व प्रियंका सैनी, कनिष्ठद्द अभियंता रवि कुमार के अतिरिक्त निर्मल बहल, संजय व सतीश सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

निगमायुक्त ने दी जानकारी-नगर निगम आयुक्त अभिषेक मीणा ने जानकारी देते बताया कि कर्ण कैनाल रोड के दोनो ओर की सडकें सीमेंट कंक्रीट की होंगी। पानी निकासी के लिए सोशल ड्रेन बनाई जाएगी। सडक को सुरक्षित बनाने के लिए रोड फर्नीचर के तहत कैटआई, रिफ्लेक्टर, थर्मोप्लास्टि पेंट, सोलर स्टड, डेलीनेटर तथा जेब्रा क्रॉसिंग जैसे कार्य करवाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 2.7 किलोमीटर लम्बाई की दोनो ओर की सडकों के सुदृढ़ीकरण पर अनुमानित 2 करोड़ 43 लाख 82 हजार रुपये की राशि खर्च की जाएगी।

रघुनाथ मंदिर मार्ग की जानकारी देते निगमायुक्त ने बताया कि करीब 750 मीटर लम्बे इस मार्ग के सुदृढ़ीकरण कार्य पर अनुमानित 2 करोड़ 22

लाख 94 हजार रुपये की राशि खर्च होगी। उन्होंने बताया कि पहले इस मार्ग के दोनो ओर बरसाती पानी निकासी के लिए नाला बनाया जाएगा। इसके बाद रेलवे रोड स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठद्द माध्यमिक विद्यालय से बगवाडि गैस एजेंसी चौक तक सीमेंट कंक्रीट से मजबूत सडक का निर्माण किया जाएगा। वाहन चालकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सडक पर रोड फर्नीचर के तहत कैटआई, रिफ्लेक्टर, थर्मोप्लास्टि पेंट, सोलर स्टड, डेलीनेटर तथा जेब्रा क्रॉसिंग जैसे कार्य भी करवाए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि उपरोक्त के अतिरिक्त मदनपुर से दहा गांव को जाने वाली सडक का सुदृढ़ीकरण कार्य भी इस माह शुरू करवाए जाने की प्रबल उम्मीद है। इस कार्य के लिए निविदाएं खोली जा चुकी हैं और यह तकनीकी मूल्यांकन की प्रक्रिया में है। इस सडक पर फैक्ट्रियां मौजूद होने के कारण बड़े वाहनों का यहां आना-जाना लगा रहता है। इसे देखते हुए मजबूत सीमेंट कंक्रीट के ब्लॉक से सडक का निर्माण किया जाएगा। करीब 1500 मीटर लम्बी सडक पर अनुमानित 2 करोड़ 80 लाख रुपये की लागत आएगी।

निवर्तमान महापौर रेनू बाला गुप्ता ने शुभारंभ अवसर के पश्चात नागरिकों को सम्बोधित करते कहा कि हरियाणा के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल के कुशल नेतृत्व में करनाल ही नहीं, बल्कि प्रदेश का चहुंमुखी विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान हरियाणा सरकार के कार्यकाल में पूरे प्रदेश का एक समान विकास किया जा रहा है। नागरिकों की सुविधाओं को देखते हुए प्रदेश में अनेक बड़े-बड़े प्रोजेक्ट निर्माणाधीन हैं।

सूर्य नमस्कार 12 शक्तिशाली योग आसनों का समन्वयः सुमन संधू

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/ राजकुमार प्रिंस। हर घर परिवार सूर्य नमस्कार अभियान के तहत आयुष विभाग के तत्वावधान में घरौंडा ब्लॉक के योग सहायकों की ओर से आज आठवें दिन गांव कुताना के सरकारी स्कूल में सुमन संधू व विपिन ग्रोवर ने विद्यार्थियों को सूर्य नमस्कार का अभ्यास करवाया।

योग सहायक सुमन संधू ने बताया कि सूर्य नमस्कार एक उत्तम कार्डियो वैस्कुलर व्यायाम भी है और स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। सूर्य नमस्कार मन व शरीर दोनों को तंदुरुस्त रखता है। यदि आपके पास समय की कमी है और चुस्त दुरुस्त रहने का कोई नुस्खा ढूंढ रहे हैं तो सूर्य नमस्कार इसका सबसे अच्छा विकल्प है।

उन्होंने बच्चों को बताया कि सूर्य नमस्कार से पाचन तंत्र सुधरता है और शरीर को डिटॉक्स करने में मदद मिलती है।

सात दिवसीय एनएसएस शिविर का हुआ समापन

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। महाराणा प्रताप उद्यान विश्वविद्यालय द्वारा गांव सिद्धपुर के सरकारी स्कूल में आयोजित सात दिवसीय एनएसएस शिविर का आज समापन हो गया। समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर स्कूल के मुख्याध्यापक कृष्ण कश्यप व ग्राम सरपंच मुकेश बाबा ने विशेष तौर से शिरकत की।

मुख्य अतिथि कृष्ण कश्यप और सरपंच मुकेश बाबा ने संयुक्त रूप से कहा कि विद्यार्थियों को हमेशा समाज कार्यों में आगे रहना चाहिए। संस्थान बच्चों को समाज में बेहतर योगदान करना सिखाने का उचित मंच होते है। प्रो. रंजन गुप्ता ने बच्चों को समाज की जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करते हुए समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने के लिए आगे आने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि कैंप में स्वयंसेवक श्रमदान से लेकर सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेते हैं। स्वयंसेवक के माध्यम से उन्हें समाज की सेवा करने का

अवसर मिलता है। विश्वविद्यालय के एनएसएस समन्वयक डॉ. अजय कुमार ने सात दिवसीय कैंप की रिर्पोट प्रस्तुत करते हुए कहा कि स्वयंसेवकों ने दिन की शुरूआत योगा से की, गांव में प्रौढ़ शिक्षा के लिए विजिट की, दहेज प्रथा के ऊपर जागरूकता रैली निकाली, स्लोगन और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, पौधारोपण और खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इसके अलावा कम्यूनिकेशन स्कील्स, टाइम मैनेजमेंट तथा फेक न्यूज के बारे में बारे में जानकारी हासिल की।

मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर 15 तक पंजीकरण करवाएं किसान

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/ राजकुमार प्रिंस। मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण की प्रक्रिया 15 फरवरी को बंद हो जाएगी। जिला में कृषि योग्य 3 लाख 70 हजार 761 एकड़ भूमि का पंजीकरण हुआ है। जिले के 49 हजार 633 किसान अपना पंजीकरण करवा चुके हैं। कुल रकबे का लगभग 72 प्रतिशत क्षेत्रफल पर पंजीकरण हो चुका है तथा 28 प्रतिशत क्षेत्रफल पर पंजीकरण होना शेष है। कृषि तथा किसान कल्याण विभाग के उप निदेशक डा. वजीर सिंह ने बताया कि हर एक किसान का मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर होना अनिवार्य है। किसी किसान ने रबी 2024 में अपनी जमीन किसी कारण से खाली छोड़ दी है तो वह भी पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी करें। प्रत्येक किसान का मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण होना चाहिए।

फ्लाईओवर का निर्माण कार्य जल्द शुरू करने के निर्देश

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/ राजकुमार प्रिंस। उपायुक्त अनीश यादव ने आज शहर के मध्य 112 करोड़ की लागत से बनने वाले फ्लाईओवर के निर्माण को लेकर जिला सचिवालय में संबंधित अधिकारियों और पुल निर्माण करने वाली केसीसी कंपनी के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। उपायुक्त ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी, बीएसएनएल, बिजली विभाग के अधिकारियों को पानी, सीवरेज लाईन, टेलीफोन और बिजली तारों को जल्द शिफ्ट करने के निर्देश दिये। कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर सुनील कुमार ने बताया कि जल्द साइट पर बेरिकेडिंग के बाद 10 दिन के भीतर निर्माण कार्य शुरू कर दिया

जायेगा।

उपायुक्त ने आज हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, बिजली निगम, नगर निगम, भारतीय दूर संचार निगम के अधिकारियों और केसीसी कंपनी के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की और ओवरब्रिज के निर्माण कार्य को लेकर प्रगति की समीक्षा की। इस मौके पर उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे रेलवे रोड स्थित राजकीय पुस्तकालय से लेकर हरियाणा नर्सिंग होम तक तथा अम्बेडकर चौक से महर्षि वाल्मीकि चौक तक के क्षेत्र में अपने-अपने विभाग से संबंधित लाईनों की शिफ्टिंग का कार्य जल्द पूरा करायें।

खालिस्तानी मुहिम को जड़ से मिटाने के लिए हर घर से एक भगत सिंह तैयार हो: शांडिल्य

शांडिल्य बोले - किसी कीमत पर भी दस गुरुओं से ऊपर नहीं होने देंगे आतंकी भिंडरावाला का स्थान, गुरुद्वारों से फोटो उतरवाने को लेकर छेड़ेंगे मुहिम

पानीपत/कमाल हुसैन

एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विश्व हिन्दू तख्त के अंतर्राष्ट्रीय प्रमुख वीरेश शांडिल्य ने आज देश के युवाओं को आह्वान किया कि खालिस्तान की जड़ को मिटाने व उखाड़ फेंकने के के लिए हर घर से एक भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव, सुभाष चंद्र बोस, उधम व अशफाक उल्ला खान तैयार हो। शांडिल्य आज पानीपत स्काईलार्क होटल में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे इस अवसर पर पानीपत के जिलाध्यक्ष मदन भारद्वाज, अनिल बजाज, राज कुमार शर्मा, राजू बठला, पप्पी,साहिल समेत कई गणमान्य मौजूद थे । शांडिल्य कहा

कि देश के संविधान,तिरंगे व कानून को ललकारने वाले इन खालिस्तानियों को यदि जरूरत पड़े तो इन शहीदों की तरह हथियार उठाने के लिए राष्ट्र स्तर पर जनांदोलन एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया तैयार व विश्व हिन्दू तख्त तैयार करेगा । वीरेश शांडिल्य ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह एवं हरियाणा पंजाब के मुख्यमंत्री से मांग की कि देश के तमाम गुरुद्वारों से जरनैल सिंह भिंडरवाला के चित्र हटवाएं जाएं ।

आह्वान

8 10वें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने फरमाया, सब सिखन को हुकूम है, गुरु मान्यो ग्रंथ, गुरु ग्रंथ जी मानयो, प्रगट गुरु दी देह

शांडिल्य ने कहा कि 10वें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने फरमाया, सब सिखन को हुकूम है, गुरु मान्यो ग्रंथ, गुरु ग्रंथ जी मानयो, प्रगट गुरु दी देह। इसलिए विश्व में जहां भी गुरु ग्रंथ साहब का प्रकाश है, वहां जरनैल सिंह भिंडरावाला के चित्र नहीं लगने चाहिए।

क्योंकि जरनैल सिंह भिंडरावाला को भारतीय सेना ने मौत के घाट उतारा था और पंजाब को खून से लाल करने में भिंडरावाला ने साजिश रची थी । शांडिल्य ने कहा अगर गुरु घरों के अंदर चित्र लगाने भी हैं तो वह चित्र दसों गुरुओं, जिनमें श्री गुरुनानक देव, श्री अंगद देव, श्री अमरदास, श्री रामदास, श्री अर्जुन देव, श्री हरगोबिंद सिंह, श्री गुरु हरराय, श्री गुरु हरकृष्ण साहिब, श्री गुरु तेग बहादुर और श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के साथ उन तमाम शहीदों के चित्र लगाएं जिन्होंने सिख गुरुओं के साथ शहादतें दी हैं और साहिबजादों के चित्रों सहित माता गुजर कौर की फोटो लगाने की पहल की जाएं।

अंत्योदय परिवारों के लिए वरदान बनी मनोहर सरकार की 'दयालु' योजना

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। उपायुक्त अनीश यादव ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा सामजिक-वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना (दयालु), अंत्योदय परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत 1 लाख 80 हजार रुपये तक वार्षिक आय वाले परिवार के सदस्य की मृत्यु या 70 प्रतिशत या इससे अधिक दिव्यांग होने पर अर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना का कियान्वयन हरियाणा परिवार सुरक्षा न्यास द्वारा किया जा रहा है।

उपायुक्त ने बताया कि योजना के तहत एफआईडीआर के अनुरूप सत्यापित 1.80 लाख रुपए वार्षिक तक की आय वाले परिवार के सदस्य की मृत्यु या दिव्यांग होने पर एक लाख रूपए से लेकर 5 लाख तक की वित्तीय सहायता दी जाती है। उन्होंने कहा कि योजना का उद्देश्य राज्य के पात्र निवासियों को मृत्यु/दिव्यांगता के मामले में सामाजिक और वित्तीय सुरक्षा प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत 5 वर्ष से 60 वर्ष तक की आयु के सदस्यों को इस योजना का लाभ मिलेगा। दयालु स्कीम का लाभ केवल उन परिवारों को देय होगा जिनकी वार्षिक आय 1 लाख 80 हजार रूपए तक सीमित है। उपायुक्त ने बताया कि दयालु योजना के तहत विभिन्न आयु वर्ग के अनुसार लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 5 से 12 वर्ष आयु तक के लिए 1 लाख रूपए, 13 से अधिक व 18 वर्ष तक 2 लाख रूपए 19 से अधिक व 25 वर्ष तक 3 लाख रूपए, 26 से अधिक व 40 वर्ष तक 5 लाख रूपए, 41 से अधिक व 60 वर्ष तक 2 लाख रूपए की राशि दी जाती है।

गाड़ी से टायर चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। थाना शहर की टीम द्वारा विश्वसनीय सूचना पर टायर चोरी करने वाले दो आरोपियों विनोद पुत्र महेंद्र और अखिलेश पुत्र अजय वासियान नसीम विहार कॉलोनी घरौंडा को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से गाड़ी के चुराए गए चार टायर बरामद किए गए।

पुलिस जांच में पाया गया कि दोनों आरोपियों ने 4 फरवरी की रात को शिकायतकर्ता सूबे सिंह वासी न्यू चार चमन करनाल के घर के बाहर खड़ी टोयोटा गाड़ी एचआर06बीए-7413 के चारों टायर चोरी की

वारदात को अंजाम दिया था। इस संबंध में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ थाना शहर में चोरी के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

पुलिस पूछताछ में पाया गया कि दोनों आरोपियों ने चोरी की यह वारदात नशापूर्ति और पैसों के लालच में की थी। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करके एक दिन के रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान आरोपियों से गहनता से पूछताछ की जाएगी और वारदात में इस्तेमाल गाड़ी बरामद की जाएगी।

छात्राओं को महिला अपराधों के बारे में किया जागरूक

टीम एक्शन इंडिया/करनाल /राजकुमार प्रिंस। डीएसपी महिला सुरक्षा विजय कुमार के निर्देशन और महिला निरीक्षक राजेश लता के नेतृत्व में टीम द्वारा राजकीय स्कूल मंगलपुर में जाकर छात्राओं को महिला सुरक्षा बारे जागरूक किया। महिला निरीक्षक राजेश लता ने बताया कि आज के समय महिलाओं के विरुद्ध बहुत ज्यादा अपराध बढ़ रहा है। महिलाओं का शोषण उनके घर में भी हो रहा है। उन्होंने बताया कि समय बदलने के साथ अब महिलाओं को भी जागरूक होना जरूरी है। उन्होंने बताया कि कई बार चुप रहकर हम

भी अपराधिक गतिविधियों को बढ़ावा देते हैं। छात्राओं को गुड टच और बैड टच बारे भी सावधान किया गया।

उन्होंने छात्राओं को अच्छी नजर और बुरी नजर के बारे भी सावधान किया। उन्होंने स्कूल की कुछ छात्राओं को विश्वास में लेकर उनसे उनकी वे समस्याएं जानी, जिनको छात्राओं ने अपने घर वालों को भी नहीं बताया हुआ था और उन समस्याओं को जानकर तुरंत उनका समाधान किया। छात्राओं को यह भी बताया कि महिला सुरक्षा के लिए जिला में दुर्गा शक्ति के नाम से टीम का गठन किया हुआ है, जो कि शहर में स्कूल, कॉलेजों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में हमेशा सहायता के लिए तत्पर रहती है। छात्राओं को उसके घर, स्कूल या अन्य जगह कोई भी परेशानी आने पर दुर्गा शक्ति पुलिस फोर्स द्वारा सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया। राजेश लता ने छात्राओं को पोक्सो एक्ट के बारे भी विस्तार से बताया। छात्राओं को महिला हेल्पलाइन नंबर 1091 और डॉयल 112 का प्रयोग कर आपातकालीन स्थिति में तुरंत पुलिस सहायता लेने बारे भी जागरूक किया गया।

मॉक ड्रिल करवाकर आपात स्थिति से निपटने को लेकर महत्वपूर्ण टिप्स दिए

आमजन की सुरक्षा तथा कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच प्राथमिकता; पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत

पानीपत/कमाल हुसैन

पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत ने मॉक ड्रिल का निरीक्षण कर जवानों को महत्त्वपूर्ण टिप्स देते हुए कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के दौरान आमजन के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार कर उनका सहयोग लिया जाए तथा कानून से खिलवाड़ करने वाले असमाजिक तत्वों के साथ सख्ती से निपटा जाए।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति की सुरक्षा तथा कानून व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच प्राथमिकता है, ताकि आमजन अपने आपको सुरक्षित महसूस करें। इस अवसर पर जिला पुलिस लाइन में जवानों को मॉक ड्रिल करवाते समय बताया गया कि आपात स्थित

में पूरी सावधानी व सतर्कता बरतें तथा संदिग्ध किस्म के लोगों पर पैनी नजर रखें। अगर कहीं भीड़ उग्र हो जाए तो भीड़ से कैसे निपटना है, इस बारे में पुलिस जवानों को महत्त्वपूर्ण गुर बताए।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यदि भीड़ ज्यादा उग्र या अनियंत्रित हो जाए तो ऐसी स्थिति में पुलिस अधिकारियों व जवानों को जहां तक हो सके मनोवैज्ञानिक तरीके से भीड़ को नियंत्रित करने का प्रयास करना चाहिए। इसके अलावा भीड़ को कानूनी नजरियें से अवगत करवाए

तैनात

8 स्थानिय पुलिस लाइन में पुलिस जवानों की दंगा निरोधक टीम बनाकर तैनात किया गया है

की उनका यह प्रदर्शन व उग्र रुप गैरकानूनी है तथा उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा सकती है । पुलिस अधीक्षक ने कहा कि भीड़ व मजमे के दौरान पुलिस अफसर व जवानों को हमेशा शांत रहना चाहिए, अपने सूचना तंत्र को मजबूत कर भीड़ की साइकोलॉजी को पहचाने तथा जनता से सहयोग प्राप्त कर भीड़ को नियंत्रित करने का प्रयास करें। इस अवसर पर पुलिस जवानों को हिदायत दी कि भीड़ को कंट्रोल करने के दौरान बदले की भावना से काम न करें तथा किसी भी मजमे के बारे में गलत टिप्पणी नही करनी चाहिए । पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों व जवानों से कहा कि किसी भी हिंसक प्रदर्शन या उग्र भीड़ को नियंत्रित करने के दौरान स्थानीय प्रशासन के साथ पूरी तरह से समन्वय बनाकर रखें। पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत के मार्गदर्शन में जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के मद्देनजर स्थानिय पुलिस लाइन में पुलिस जवानों की दंगा निरोधक टीम बनाकर तैनात किया गया है।

नशा हमारी युवा पीढ़ी के लिए है घातकः डा. अशोक कुमार वर्मा

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/ राजकुमार प्रिंस

हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा आज राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कोहंड पहुंचे। यहां एक दिवसीय 168वां नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमे 736 विद्यार्थियों एवं 40 शिक्षकों ने भाग लिया। विद्यालय की प्राचार्या सुषमा गोयल के निर्देशन और प्रवक्ता मुकेश शर्मा की उपस्थिति में यह कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम के पश्चात विद्यालय के बाहर 100 मीटर के

क्षेत्र में तंबाकू उत्पाद बेच रहे एक खोखे और तीन रेहड़ी वालों को चेतावनी देकर हटवाया गया कि भविष्य में शिक्षण संस्थान के 100 मीटर के क्षेत्र में कोई भी तंबाकू उत्पाद अथवा अन्य नशीला पदार्थ नहीं बेचेगा अन्यथा नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विद्यार्थियों को नशे के विरुद्ध जागरूक करते हुए ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने कहा कि माता-पिता ने उन्हें शिक्षा प्राप्त करने के लिए भेजा है।

प्रेगनेंसी में एक्सरसाइज

कई महिलाएं गर्भावस्था में ज्यादा भारी काम या व्यायाम से भी परहेज करती हैं। अमेरिकन कॉलेज ऑफ ऑब्स्टेट्रिशियंस के अध्ययन ने इस बात को स्पष्ट करते हुए कहा कि जो गर्भवती महिलाएं भारी एक्सरसाइज जैसे दौड़ना या भार उठाना जैसे काम करती हैं, उनकी अपेक्षा ऐसी गर्भवती महिलाएं ज्यादा हैं जो तीसरी तिमाही तक हल्के-फुल्के एक्सरसाइज करना ही पसंद करती हैं। वास्तव में गर्भावस्था के दौरान गर्भवती महिला को अपना अतिरिक्त ध्यान रखना होता है, इसलिए जब भी कोई काम करें या एक्सरसाइज करें तो बीच-बीच में ब्रेक जरूर लें। जब भी प्यास लगे तो पानी पीना बिल्कुल न भूलें, यह आपको ओवरहीटेड होने से बचाएगा।

मिथक या सच गर्भावस्था के दौरान एब्डोमिनल यानी उदर संबंधी काम नहीं करने चाहिए।

मिथक : यह सही नहीं है, बल्कि विशेषज्ञों का कहना है कि उदर संबंधी काम कई स्थितियों में फायदा पहुंचाता है। आपके पेट और पेट के पूरे कोर में गर्भावस्था के दौरान खिंचाव आता है। इस तरह से उदर से संबंधित काम करना गर्भावस्था में सहायता करता है। इससे लेबर पेन और डिलेवरी के बाद रिकवरी में भी आसानी होती है।

मिथक या सच : अगर आप धावक हैं और गर्भावस्था के दौरान भी आप दौड़ना जारी रख सकती हैं।

सच : लंबे समय तक अगर आपकी प्रेगनेंसी बिल्कुल स्वस्थ है और आप खुद को बिल्कुल स्वस्थ महसूस करती हैं तो विशेषज्ञ आपको इसके लिए इजाजत दे देंगे। आप अपने डॉक्टर को अपने एक्सरसाइज प्लान के बारे में बताएं और उनकी बताई सावधानियों का पालन करें।

मिथक या सच : गर्भावस्था के दौरान सभी एक्सरसाइज सुरक्षित नहीं हैं।

सच : कई ऐसे एक्सरसाइज हैं जिनमें संतुलन की आवश्यकता होती है, जैसे टू व्हीलर ड्राइविंग आदि गर्भावस्था में खतरनाक साबित हो सकते हैं। चौथे महीने के बाद आपका शरीर उतनी अच्छी तरह संतुलन नहीं बिठा पाता जितना शुरुआती महीनों में। इसलिए इस तरह की किसी भी गतिविधि से परहेज करें।

मिथक या सच : गर्भावस्था से पहले कभी एक्सरसाइज नहीं किया है तो गर्भावस्था के दौरान उसे शुरू नहीं करना चाहिए।

सच : वास्तव में अगर आपने पहले कभी एक्सरसाइज नहीं किया है तो गर्भावस्था के दौरान अचानक कोई भी भारी एक्सरसाइज एकदम से शुरू न करें। हां, प्रतिदिन टहलना या फिर स्वीमिंग जैसे एक्सरसाइज आपको आर्श्चजनक परिणाम दे सकते हैं।

हेल्थ प्लस

स्वास्थ्य के लिए कुछ महत्वपूर्ण टिप्स

- एक दिन में दो बार से ज्यादा कॉफी न पिएं।
- पांच बजे शाम के बाद गरिष्ठ भोजन करने से बचें।
- सुबह पानी ज्यादा पिएं, शाम को कम। क्योंकि दिन में हमारे शरीर का मेटाबॉलिज्म तेज होता है, जबकि रात का यह प्रक्रिया धीमी पड जाती है। इसलिए रात में ज्यादा पानी से पाचन क्रिया प्रभावित हो सकती है।
- अगर आपकी त्वचा अकसर लाल हो जाती है तो यह हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज या हार्ट ट्रबल का संकेत हो सकती है।
- पैक्टिन रिचफ्रूट की तरह ही जई का आटा भी सीरम कोलेस्ट्रॉल को कम करने में सहायता करता है।
- जो भी ऑयली फूड ले रहे हैं उसमें ऑयल की मात्रा कम करें।
- सप्ताह में एक बार कोई नया फल या सब्जी जरूर खाएं।
- काम करते हुए मेज पर कटे फलों का एक बोल रखें।
- तनाव होने पर मुसकराएं और गहरी सांसें भरें।
- जो काम नहीं हो सकता उसके लिए न कहना सीखें। व्यर्थ तनाव से बचे रहेंगे।

रोजाना खाएं केले

केला हर मौसम में सरलता से उपलब्ध होने वाला अत्यंत पौष्टिक एवं स्वादिष्ट फल है। केला रोचक, मधुर, शक्तिशाली, वीर्य व मांस बढ़ाने वाला, नेत्रदोष में हितकारी है। पके केले के नियमित सेवन से शरीर पुष्ट होता है। यह कफ, रक्तपित, वात और प्रदर के उपद्रवों को नष्ट करता है।

- यदि महिलाओं को रक्त प्रवाह अधिक होता है, तो पके केले को दूध में मसल कर कुछ दिनों तक खाने से लाभ होता है।
- बार-बार पेशाब आने की समस्या से परेशान हों, तो चार तोला केले के रस में दो तोला घी मिलाकर पीने से फायदा होता है।
- यदि शरीर का कोई हिस्सा जल जाए, तो केले के गूदे को मसल कर जले हुए स्थान पर बांधें। इससे जलन दूर होकर आराम मिलता है।
- पेचिश रोग में थोड़े-से दही में केला मिलाकर सेवन से फायदा होता है।
- संग्रहणी रोग होने पर पके केले के साथ इमली तथा नमक मिलाकर सेवन करें।
- दाद होने पर केले के गूदे को नीबू के रस में पीस कर पेस्ट बनाकर लगाएं।
- पेट में जलन होने पर दही में चीनी और पका केला मिलाकर खाएं। इससे पेट संबंधी अन्य रोग भी दूर होते हैं।
- अल्सर के रोगियों के लिए कच्चे केले का सेवन रामबाण औषधि है।
- केला खून में वृद्धि करके शरीर की ताकत बढ़ाने में सहायक है। यदि प्रतिदिन केला खाकर दूध पिया जाए, तो कुछ ही दिनों में व्यक्ति तंदुरुस्त हो जाता है।
- चोट लग जाने पर खून का बहना न रुके तो उस जगह पर केले के डंठल का रस लगाने से लाभ होता है।
- केला छोटे बच्चों के लिए उत्तम व पौष्टिक आहार है। इसे मसलकर या दूध में फेंटकर खिलाने से लाभ मिलता है।
- केले में मैग्नीशियम की काफी मात्रा होती है, जिससे शरीर की धमनियों में खून पतला रहने के कारण खून का बहाव सही रहता है। इसके अलावा पूर्ण मात्रा में मैग्नीशियम लेने से कॉलेस्ट्रॉल की मात्रा कम होती है।
- केले का नियमित सेवन कई रोगों से बचाकर रखता है।

नींद में बाधक है चाय

आधुनिक युग में चाय देश की सभ्यता का अनिवार्य बन गई है। आज के युग में घर आए अतिथि का स्वागत चाय के बिना अधूरा सा लगता है। चाय से लोगों को बहुत लगाव तो है किन्तु वे यह नहीं जानते कि वह स्फूर्तिदायक और लाभदायक न होकर अनेक रोगों को बुलावा देती है। वैज्ञानिकों द्वारा खोज करने पर पता चला है कि चाय में तीन प्रकार के मुख्य विष पाए जाते हैं। ये विष हैं थीन, टेनिन तथा कैफीन। आइए, इन तीनों प्रकार के विष के संबंध में आपको जानकारी उपलब्ध कराते हैं:-

थीन

चाय पीने से एक हल्का सा आनंद मिलता है, जो इसा 'थीन' नामक विष का प्रभाव होता है। यह हमारे ज्ञान तंतुओं पर बहुत विषैला प्रभाव डालता है।

टेनिन

यह कब्ज करने वाला पदार्थ है और पाचन शक्ति को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है। शरीर पर इस विष का प्रभाव शराब से बिल्कुल मिलता-जुलता है। शुरू में ताजगी अनुभव होती है परन्तु थोड़ी देर में नशा उतर जाने पर खुश्की और थकान पैदा होती है, जिसके कारण अधिक चाय पीने का मन करता है।

कैफीन

यह एक बहुत ही भयंकर विष है। इसका प्रभाव शराब या तम्बाकू में पाए जाने वाले विष 'निकोटीन' के समान होता है। इससे शरीर बहुत जल्दी निर्बल और खोखला हो जाता है। यह दिल की धड़कन को बढ़ाता है और इसके सेवन से कभी-कभी तो व्यक्ति की धड़कन एकदम बंद हो जाती है और व्यक्ति मौत का शिकार हो जाता है। 'कैफीन' विष का ही प्रभाव है कि नशे के वशीभूत होकर व्यक्ति इसका आदी हो जाता है। यह शरीर एवं मस्तिष्क पर बुरा प्रभाव डालता है। विशेषज्ञों के मतानुसार चाय का नशा अंदर ही अंदर अपना कार्य करता रहता है और धीरे-धीरे कुछ ही दिनों में शरीर को घुन की तरह खा जाता है। शरीर से बाहर निकलने वाली गैसों को चाय अंदर ही रोक लेती है, जिससे चाय पीने से कुछ समय के लिए हमें शक्ति का झूठा अनुभव होता है।

चाय पीने से 'कैफीन' विष के कारण मूत्र की मात्रा में लगभग तीन गुना वृद्धि हो जाती है परन्तु उसके द्वारा शरीर का दूषित मल, जिसका शरीर की शुद्धि के लिए मूत्र द्वारा बाहर निकलना आवश्यक है, वह शरीर के अंदर ही जमा रहता है। फलस्वरूप ऐसे व्यक्तियों को गठिया, गुर्दे और हृदय संबंधी रोगों का शिकार होना पड़ता है। आज हृदय तथा रक्त वाहिनियों के रोगों से पीड़ित व्यक्तियों की संख्या में दिन-प्रतिदिन वृद्धि हो रही है और इसका मुख्य चाय का दिनोंदिन बढ़ता चलन ही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि जब चाय का अधिक मात्रा में सेवन किया जाता है तो उसके नशीले पदार्थ की अपेक्षा टेनिन एसिड के कारण पेट में गड़बड़ी होती है। बादी, पेट फूलना, पेट दर्द, कब्ज, बदहजमी, हृदय गति अनियमित रूप से चलना और नींद का न आना आदि समस्याएं चाय पीने वाले लोगों में अक्सर पाई जाती हैं। अधिक चाय पीने से दांतों एवं नेत्रों के विभिन्न रोग भी पैदा होने लगते हैं तथा चेहरे की कान्ति भी नष्ट होती जाती है। व्यापारियों ने प्रचार के लिए लाखों पैकेट मुफ्त बांटकर और इसके संबंध में झूठी प्रशंसा करके गरीबों को भी चाय का चस्का लगा दिया है और अब यह गरीब और अमीर हर किसी का आवश्यक पेय बन गई है और हालत यह हो गई है कि भोजन चाहे मिले या न मिले पर चाय समय पर अवश्य मिलनी चाहिए लेकिन मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले चाय के कुप्रभावों को देखते हुए यही कहना तर्कसंगत लगता है कि इस विनाशकारी चाय का सेवन बिना विलम्ब किए छोड़ देने में ही समस्त मानव जाति की भलाई है।

पेट दर्द को साधारण न लें

क्या बेहद परेशान करने वाला पेट का दर्द आपको बेचैन व तनावग्रस्त कर रहा है? आपकी नींद उड़ा रहा है? खैर, इससे आपका सिर्फ दिमाग ही परेशान नहीं है बल्कि आपके पेट की गहराई में कुछ गड़बड़ है, आपके बाउल में। यह आईबीएस हो सकता है। इसे स्पास्टिक कोलन भी कहते हैं। आईबीएस फंक्शन बाउल सिंड्रोम है। इसमें हल्का या तेज पेट का दर्द होता है, कब्ज या दस्त और बाउल आदत अदलती-बदलती रहती हैं, लेकिन आईबीएस आंतों को स्थायी नुकसान नहीं पहुंचाता। आप इसके लक्षणों को सही आहार लेकर नियंत्रित कर सकते हैं। साथ में तनाव प्रबंधन व सही दवाओं की भी जरूरत पड़ सकती है।

लक्षण

आईबीएस के कोई विशेष कारण नहीं हैं। यह अक्सर बड़ी आंत या कोलन की संवेदनशीलता की वजह से होता है। आपको निम्न बातों पर विशेष गौर करना है-

- बड़ी आंत में बेचैनी।
- साल में 10-12 सप्ताह लूज मोशन होना।
- पेट में बार-बार दर्द होना।
- स्टूल में स्पाट/ब्लीडिंग।
- आधी रात में उठकर टायलेट जाना।
- कम समय में अधिक वजन कम होना।
- बाउल आदतों में तब्दीली।
- डिप्रेशन, तनाव एंग्जाइटी।

तनाव

यह बात सुनने में शायद अजीब लगे, लेकिन तनाव की वजह से आईबीएस पीड़ितों में कोलन स्पाजम हो सकते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि कोलन की अनेक नर्व दिमाग से जुड़ी होती हैं। यह नर्व कोलन के सिकुड़ने को नियंत्रित करती हैं और जब हम तनावग्रस्त होते हैं, तो पेट में परेशानी पैदा कर देती हैं।

पेट का इलाज

आई बीएस पीड़ित अक्सर जल्दी-जल्दी डाक्टर बदलते रहते हैं, इस सोच के साथ कि किसी के पास तो कोई इलाज होगा, लेकिन उन्हें यह समझना चाहिए कि यह कोई रोग नहीं है बल्कि फंक्शनल डिसआर्डर है। कुछ दवाएं भी इसे नियंत्रित कर सकती हैं इसलिए अपने डाक्टर से संपर्क करें। सही दिशा-निर्देशों पर अमल करने से समस्या के समाधान में काफी मदद मिल सकती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी होगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा हो जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): महत्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रुकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-1-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-2-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार होंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कुछ पिछले संकट उभर फिर आ सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने विरोधी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। सौहार्दपूर्ण कार्य करें। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-5-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-3-5-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। बेहजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-6-8

काकुरो पहेली - 1982

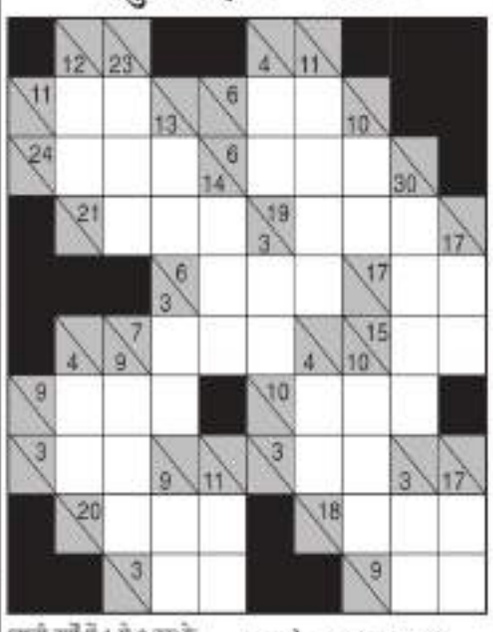

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 1981 का हल

हंसी के फव्वारें

तीन गप्पी ट्रेन में यात्रा करते हुए गप्पें हांक रहे थे. एक बोला-मैं आजमगढ़ का लखपति हूं, दूसरा बोला-मैं शामगढ़ का करोड़पति हूं, तीसरा बोला-भईया मैं तो सिर्फ अपनी पत्नी का पति हूं.

मालिक: (नौकर से) तुमने पत्र-पेटिका में पत्र डाल दिया?

नौकर: नहीं हुजूर.

मालिक: क्यों नहीं डाला?

नौकर: कैसे डालता? हर पत्र-पेटिका पर ताला लगा था.

एक रोज बादशाह अकबर ने बीरबल से कहा, जिन लोगों के नाम के साथ वान हो होता है वो आमतौर पर अच्छे आदमी नहीं होते, मसलन पीलवान, दरवान, वगैरह वगैरह.

बीरबल ने फौरन जवाब दिया जी हां मेहरबान.

प्राध्यापक: कला से किसे-किसे प्यार है खड़े हो जायें. सारे के सारे विद्यार्थी खड़े हो गये. सिर्फ एक विद्यार्थी बैठा रहा.

प्राध्यापक बोले: तुम्हें कला से प्यार नहीं. विद्यार्थी ने उत्तर दिया, कला मेरी बहन का नाम है. मुझे तो सिर्फ कमला से प्यार है.

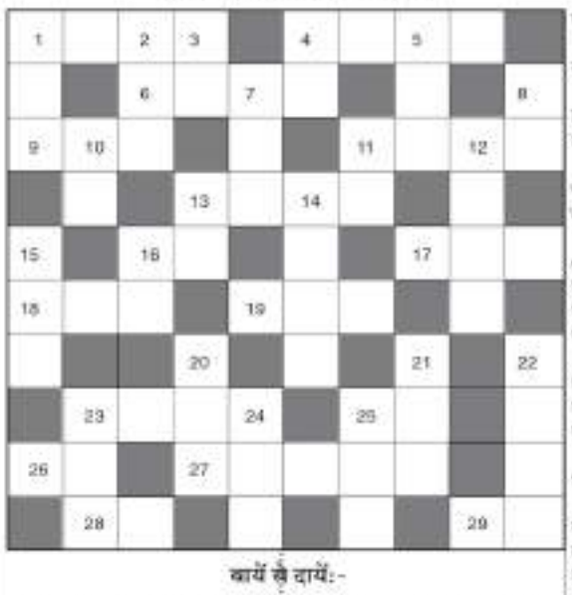

फिल्म वर्ग पहेली- 1982

बायें से दायें:-

१. शाहरुख, अपूर्व अग्निहोत्री, महिमा की 'किसी रोज तुम से' गीत वाली फिल्म-४
४. 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली धर्मेन्द्र, जीनत अमान की फिल्म-४
६. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दिल का तोहफा लाई हूं' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मुझे दुनियावालों शराबी' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
११. अजय, सैफ, विवेक, करीना, बिपाशा की 'धीरे जरा' गीतवाली फिल्म-४
१३. 'ज ये हसीना रात' गीत वाली जीतेंद्र, अरुणा, एकता की फिल्म-४
१६. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं औंधा हमारा दिल ज' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आँखों से दिल में' गीत वाली फराज खान, सुमन रंगनाथन की फिल्म-३
१८. दिलीपकुमार, माला की 'मोरे शहर में आपका कोई' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'रात दुल्हन बनी चांद दूल्हा बना' गीत वाली जीतेंद्र, विश्वजीत, माला सिन्हा, मुमताज की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, संजीव, शर्मिला की 'जिंदगी है क्या बोलो' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'दिल सम से' गीत वाली विजय, सुरैया की फिल्म जो सुरैया की अंतिम फिल्म थी-२
२६. संजयदत्त, उर्मिला की 'ओ भोले देखो हम दीवानों को' गीत वाली फिल्म-२
२७. आमिर, ममता कुलकर्णी की 'बाजी' में मुख्यमंत्री विश्वासराव चौधरी की भूमिका किसने की थी-२,३
२८. सनी, सुनील शेट्टी, शिल्पा की 'कोई परी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-२
२९. फिल्म 'सात रंग के सपने' में अरविंद स्वामी के साथ नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, शाहरुख, सुनील, रानी, जूही की फिल्म-३
२. 'दुनिया में ऐसा कहाँ सबका नसीब' गीत वाली फिल्म-३
३. नसीरुद्दीनशाह, पूजा भट्ट की फिल्म-२
४. 'आते जाते हुए मैं सब पे नजर' गीत वाली फिल्म-२
५. इंद्रकुमार, आयशा जुल्का की फिल्म-३
७. आर्यन वैद, सोनाली कुलकर्णी की मकरंद देशपांडे निर्देशित फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
१०. 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
११. अतीन भट्ट, संदली सिन्हा की फिल्म-२
१२. 'लम्हा लम्हा जिंदगी है' गीत वाली फिल्म-४
१३. मोहित अहलावत, निशा की फिल्म-२
१४. 'ये वादा करो चाँद' गीत वाली फिल्म-४
१५. मनोज बाजपेयी, रेखा, करिश्मा की फिल्म-३
१९. 'हम दर्द के मारों का इतना ही' गीत वाली फिल्म-२
२०. धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा की फिल्म-३
२१. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली फिल्म-३
२२. आफताब शिवदासानी, अमीषा पटेल, एशा देओल की फिल्म-४
२३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली फिल्म-३
२४. जीतेंद्र, जीतेंद्र की फिल्म-३
२५. 'इंतहा हो गई इंतजार की' गीत वाली अमिताभ, जया प्रदा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 1981

सूडोकु -1982

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1981 का हल

शब्द पहेली - 1982

बाएं से दाएं

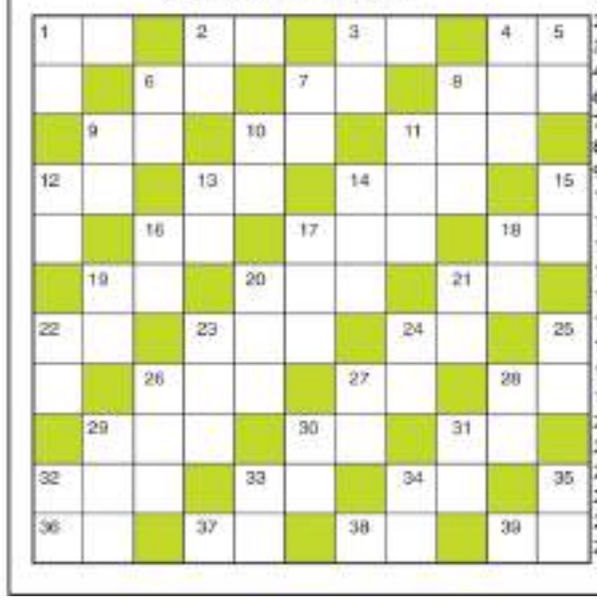

1. कार्य, काम-2
2. अग्नि, अनल-2
3. संग, संगत-2
4. मदिरा, शराब-2
6. चुटीली बात-2
7. उम्मीद-2
8. समाचार, सूचना-3
9. भगवान कृष्ण के खेल-2
10. छाया, परछाई-2
11. कहासुनी-3
12. जी, चित-2
13. निशा-2
14. पासों का खेल-3
16. करीना की फिल्म-2
17. आगे वाला-3
18. सीधा, सरल-2
19. वीर, बहादुर-2
20. दलदल, गाद-3
21. तार, टेलीग्राम-2
22. मेला, महाधाम-2
23. नशा, नशापानी-3
24. चिट्ठी, पत्र-2
26. सही का विलोम-3
27. ठिकाना-2
28. प्राण, दम-2
29. नरक (उर्दू-3)
30. बीता हुआ दिन-2
31. पोखर, तालाब-2
32. हलाहल-3
33. दर, मूल्य-2
34. वायु-2
36. अंधकार-3
37. पांव, पैर-2
38. कान्हा-2
39. टैक्स, शुल्क-2

ऊपर से नीचे

1. समय, वक्त-2
2. आगमन-2
3. पति की मां-2
4. भोर, सवेरा-3
5. झगड़ा-2
6. लौकिक, इहलोक-2
7. घाव, नर्स, दाई-2
8. अवरोध, रुकावट-3
9. मकान, मद्य-2
10. सपना, स्वप्न-2
11. लक्ष्मी, रमा-3
12. मौज, मजा-2
13. महाराजा-2
14. विस्मय, गाप-3
15. गायन, गाना-2
16. पुनः, वापस-2
17. निश्चय-3
18. निष्कर्ष-2
19. कांटा-2
20. मूल्य, दाम-3
21. पितामह-2
22. मजदूर-2
23. ईश्वर-3
24. भूल, गलती-2
25. महारानी-2
26. मामा-3
27. बाग-2
28. पाशा-2
29. दूसरा-3
30. थोड़ा-2
31. तांबा-2
32. हमेशा-2
33. कलंक-2
34. गगन-2
35. मयूर-2

शब्द पहेली - 1981 का हल

आईपीएल 2024 में कौन है सबसे महंगा कप्तान, हार्दिक पांड्या से ज्यादा है केएल राहुल की सैलरी

नई दिल्ली.एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में अब ज्यादा समय नहीं बचा है। आईपीएल 2024 में 10 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इन 10 टीमों के कप्तानों में किसकी सैलरी सबसे ज्यादा है और किसकी सैलरी सबसे कम है। लखनऊ सुपर जायन्ट्स के कप्तान केएल राहुल जहां आईपीएल 2024 के सबसे महंगे कप्तान होंगे, वहीं सबसे सस्ता कप्तान सनराइजर्स हैदराबाद के पास है। सनराइजर्स हैदराबाद हालांकि आईपीएल 2024 के आगाज से पहले नए कप्तान का ऐलान भी कर सकता है। फिलहाल सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान एडेन मार्करम हैं, जिनकी सैलरी 2.6 करोड़ रुपये है। आईपीएल 2024 के कप्तानों में सबसे ज्यादा सैलरी लखनऊ सुपर जायन्ट्स के कप्तान केएल राहुल हैं। केएल राहुल की सैलरी 17 करोड़ रुपये है। वहीं दूसरे नंबर पर दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत हैं, पंत की सैलरी 16 करोड़ रुपये है।ऋषभ पंत की वापसी को लेकर दिल्ली कैपिटल्स के कोच रिकी पोंटिंग बयान दे चुके हैं, लेकिन उन्होंने साथ ही कहा है कि अगर पंत कप्तानी के लिए तैयार नहीं होते हैं, तो ऐसे में डेविड वॉर्नर ही दिल्ली कैपिटल्स की कमान संभालेंगे। पोंटिंग ने कहा कि पंत इस बात को लेकर पूरी तरह कॉन्फिडेंट हैं कि वह आईपीएल 2024 पूरा खेल लेंगे।

मुंबई इंडियंस के लिए इस बार कप्तानी रोहित शर्मा की जगह हार्दिक पांड्या करते हुए नजर आएंगे। हार्दिक इससे पहले गुजरात टाइटन्स के कप्तान थे, लेकिन मुंबई इंडियंस के साथ ऑल कैश डील के साथ वह मुंबई इंडियंस टीम में वापस लौट गए हैं। चलिए एक नजर डालते हैं किस टीम के कप्तान की कितनी सैलरी है.

मेसी के खिलाफ फैंस की हूटिंग, गोल दागने के दो मौके गंवाए, इंटर मियामी को पेनल्टी शूटआउट में मिली हार

नई दिल्ली.एजेंसी

तोक्यो- हांगकांग में प्रशंसकों को निराश करने के बाद लियोनेल मेसी विसेल कोबे के खिलाफ इंटर मियामी के प्रदर्शनी मैच के आखिरी 30 मिनट के लिए मैदान में उतरे लेकिन उनकी मौजूदगी टीम को जीत नहीं दिला सकी। मेसी के पास बुधवार को खेले गये इस मैच में गोल करने के दो मौके थे लेकिन उनका दोनों प्रयास विफल हो गया। मैच के 80वें मिनट में गोलकीपर शोता आरिया ने उनके प्रयास को विफल कर दिया जबकि उनके दूसरे प्रयास को विस्सेल कोबे की रक्षापंक्ति ने असफल कर दिया।

निराश फैंस ने की हूटिंग

निर्धारित समय में मुकाबला गोलरहित छूटने के बाद पेनल्टी शूटआउट में विस्सेल कोबे ने 4-3 से जीत दर्ज की। मेसी ने हालांकि पेनल्टी किक नहीं लगाया जिससे स्टेडियम में मौजूद लगभग 29 हजार दर्शक ने निराशा में हूटिंग की। यह हूटिंग हालांकि हांगकांग से कम थी जहां प्रदर्शनी मैच में मेसी मैदान पर नहीं उतरे थे। वहां मेसी

और इंटर मियामी को नाराज प्रशंसकों और सरकार दोनों की तीखी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा था।

मेसी ने मंगलवार को ही संकेत दिया था कि वह चोट से उबर कर अच्छा महसूस कर रहे हैं और फिटनेस हासिल कर इस मैच के लिए मैदान पर उतरेंगे। इंटर मियामी के कोच गेरार्डो मार्टिनो ने कहा, 'मंगलवार शाम को अभ्यास के बाद, उन्होंने (मेसी) कहा कि वह अच्छा महसूस कर रहे हैं और हम सहमत हुए कि वह 30 मिनट खेलेंगे।' उन्होंने हालांकि यह नहीं बताया कि मेसी ने पेनल्टी क्यों नहीं लगायी। कोच ने कहा, 'मैच खत्म होने के बाद अब हम बहुत संतुष्ट हैं क्योंकि मेसी बहुत सहज दिख रहे थे।'

T20I वर्ल्ड कप 2024 में ये भारतीय गेंदबाज मचाएगा तबाही

वेर्नोन फिलैंडर ने कर दी भविष्यवाणी

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व मध्यम तेज गेंदबाज वेर्नोन फिलैंडर ने कहा है कि वह इस साल होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में भारत की सफलता की कुंजी रहने के साथ सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज भी साबित होंगे।

जोहानिसबर्ग.एजेंसी

सभी प्रारूपों में जसप्रीत बुमराह के हालिया प्रदर्शन से प्रभावित दक्षिण अफ्रीका के पूर्व मध्यम तेज गेंदबाज वेर्नोन फिलैंडर ने कहा है कि वह इस साल होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में भारत की सफलता की कुंजी रहने के साथ सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज भी साबित होंगे। इंग्लैंड के खिलाफ विशाखापट्टनम में दूसरे टेस्ट में नौ विकेट लेकर भारत को 91 रन से जीत दिलाकर सीरीज में 1-1 से वापसी कराने वाले बुमराह आईसीसी टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज बन गए हैं। इससे पहले कपिल देव दिसंबर 1979 से फरवरी 1980 के बीच दूसरे नंबर पर पहुंचे थे।फिलैंडर ने भाषा को दिए विशेष इंटरव्यू में कहा, बुमराह इस समय कंपलीट गेंदबाज हैं। उनके पास जबर्दस्त कौशल है और उन्होंने सटीक गेंदबाजी का हुनर सीख लिया है जिससे टेस्ट क्रिकेट में इतनी सफलता मिल रही है। पहले वह हर समय

विकेट लेने वाली गेंद फेंकना चाहते थे जिससे महंगे साबित होते थे लेकिन अब उनके प्रदर्शन में निरंतरता है। वह ऐसे गेंदबाज हैं जिन्हें टी20 क्रिकेट में भी कभी कमतर नहीं आंका जा सकता। वह नई गेंद से स्विंग कराते हैं और बल्लेबाज को आगे बढ़कर खेलने के लिये मजबूर करते हैं। उनके यॉर्कर काफी धारदार होते हैं और टी20 क्रिकेट में यही तो चाहिए। मुझे लगता है कि वह टी20 वर्ल्ड कप में सबसे कामयाब तेज गेंदबाज होंगे।

टी20 वर्ल्ड कप जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जायेगा। उन्होंने मोहम्मद शमी की भी तारीफ करते हुए कहा कि वह गेंद को बखूबी स्विंग कराते हैं।

दक्षिण अफ्रीका के लिये 64 टेस्ट में 224 विकेट लेने वाले इस गेंदबाज ने कहा, भारत के मौजूदा तेज गेंदबाजों से मैं काफी प्रभावित हूं। बुमराह के अलावा मोहम्मद शमी भी हैं जो सीम का बखूबी इस्तेमाल करते हैं। दक्षिण अफ्रीका में गेंदबाजी करना आसान नहीं होता लेकिन भारत की सपाट पिचों पर गेंदबाजी करने के बाद उन्होंने जिस तरह यहां गेंदबाजी की, वह काबिले तारीफ है।फिलैंडर ने कहा कि विदेशी सरजमीं पर उम्दा प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाजों का टीम में होना भारतीय क्रिकेट के लिये अच्छा संकेत है। उन्होंने कहा, जब भी भारतीय टीम यहां आती है तो पिछली बार से बेहतर प्रदर्शन करती है। उपमहाद्वीप में स्पिनरों ने भारत को मैच जिताये है लेकिन अब उसके पास मैच जिताने वाले तेज गेंदबाज भी है।

भारत को ऑस्ट्रेलिया में जीतते देखकर अच्छा लगा जिसका श्रेय विराट कोहली को भी जाता है जब उनकी कप्तानी में गेंदबाजों के प्रदर्शन में निखार देखने को मिला था।वह 2019 में ऑस्ट्रेलिया में खेली गई सीरीज का जिक्र कर रहे थे जब विराट कोहली की कप्तानी में पहली बार भारत ने ऑस्ट्रेलिया को उसकी सरजमीं पर टेस्ट सीरीज में हराया था। भारत के खिलाफ पांच घरेलू टेस्ट (2013 और 2018) में 25 विकेट लेने वाले फिलैंडर ने कहा कि कोहली उनके लिये सबसे कठिन बल्लेबाज साबित हुए हैं।

डेरिल मिचेल SA के खिलाफ दूसरे टेस्ट से हुए बाहर, केन विलियमनस को मिल सकता है ब्रेक

नई दिल्ली.एजेंसी

न्यूजीलैंड के हरफनमौला डेरिल मिचेल पैर की चोट के कारण साउथ अफ्रीका के खिलाफ आगामी दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। इसके अलावा, वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज के लिए भी उपलब्ध नहीं होंगे। टीम मैनेजमेंट चाहता है कि मिशेल कंगारुओं के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले पूरी तरह से फिट हो जाएं। इस वजह से उन्हें इतना लंबा ब्रेक दिया गया है।

मिचेल सभी फॉर्मेट में कीवी टीम के एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं और वे उम्मीद कर रहे होंगे कि उसके पैर की चोट गंभीर न हो। वह पिछले छह-सात महीनों से अपनी चोट को मैनेज कर रहे हैं, लेकिन मुख्य कोच गैरी स्टीड का कहना है कि यह मिशेल के लिए चोट से पूरी तरह से उबरने का सबसे अच्छा मौका है।

कोच ने कहा कि हमने पहले भी उन्हें आराम दिया, मगर मेडिकल एड्वाइज लेने के बाद पता चला कि उन्हें लंबे ब्रेक की जरूरत है।

यह वास्तव में कठिन है, क्योंकि अगले कुछ समय में ब्रेक लेने के लिए उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिलेंगे, इस वजह से हमने उन्हें तीन हफ्ते का आराम लेने के लिए कहा है।

यूं ही नहीं यारों के यार कहलाते माही...अब कुछ इस अंदाज में दी दोस्ती की मिसाल; जीता फैंस का दिल

नई दिल्ली.एजेंसी

दोस्ती निभाना कोई महेंद्र सिंह धोनी से सीखें...माही की जिंदगी में वैसे तो बहुत कम दोस्त हैं, मगर जितने भी हैं वह उनके बहुत करीब हैं। धोनी के कुछ साथी ऐसे हैं जिन्होंने करियर की शुरुआत में उनका बहुत साथ दिया था। इनमें से एक दोस्त परमजीत सिंह हैं। अगर आपने सुपरहिट फिल्म एमएस धोनी- द अनटोल्ड स्टोरी देखी है, तो आपको एमएस धोनी का एक सिख दोस्त जरूर याद होगा, जो झारखंड के रांची में एक छोटे से स्पोर्ट्स सप्लाई स्टोर का मालिक था, जिसने माही को उनकी पहली स्पोर्ट्स स्पॉन्सरशिप दिलाने में मदद की थी।

माही को पहली स्पोर्ट्स स्पॉन्सरशिप दिलाने वाले परमजीत सिंह को धोनी कुछ ऐसा गिफ्ट देंगे ये शायद उनके दोस्त ने भी नहीं सोचा होगा। दरअसल, हाल ही में सोशल मीडिया पर एक तस्वीर सामने आई है जिसमें धोनी आगामी आईपीएल 2024 के लिए प्रैक्टिस करते हुए नजर आ रहे हैं। इस दौरान उन्हें प्राइम स्पोर्ट्स के स्पॉन्सरशिप वाले बैट के साथ खेलता देखा गया है। बता दें, प्राइम स्पोर्ट्स धोनी के दोस्त परमजीत सिंह की ही दुकान का नाम है।

जी हां, धोनी अपने इस जेस्चर से अपने दोस्त को करियर की शुरुआत में मदद करने के लिए शुक्रियादा करते नजर आए। इसमें कोई हैरानी वाली बात नहीं होगी कि माही इसी स्पॉन्सरशिप वाले बैट के साथ आगामी आईपीएल सीजन में भी खेलते नजर आएं।

2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह चुके माही अब 42 साल के हो गए हैं, वह अब आईपीएल में ही फैंस का मनोरंजन करते हुए नजर आते हैं। उनकी उम्र को देखते हुए यह कयास लगाए जा रहे हैं कि यह आईपीएल बतौर खिलाड़ी उनका आखिरी टूर्नामेंट हो सकता है।

श्रीलंका की वनडे टीम का ऐलान, एशिया कप जिताने वाले कप्तान को ही कर दिया बाहर

नई दिल्ली.एजेंसी

श्रीलंका ने अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे इंटरनेशनल सीरीज के लिए 16 सदस्यीय मजबूत टीम का ऐलान कर दिया है। वर्ल्ड कप 2023 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कुसल मेंडिस की कप्तानी वाली टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया। एक बार फिर से टीम व्हाइट बॉल की सीरीज खेलने उतरेगी तो टीम का फोकस उसी प्रदर्शन को दोहराने पर होगा। हालांकि, 9 फरवरी से पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होने वाली इस सीरीज के लिए वर्ल्ड कप 2023 में कप्तानी करने वाले दासुन शनाका को नहीं चुना गया है। टीम मैनेजमेंट ने पूर्व कप्तान दासुन शनाका को वनडे टीम से बाहर कर दिया है। एशिया कप

2022 में अपनी शानदार जीत के दौरान ऑलराउंडर दासुन शनाका श्रीलंका का पोस्टर ब्वॉय थे, लेकिन हाल के दिनों में उनकी फॉर्म में गिरावट आई और ऐसे में चयन समिति को अन्य विकल्पों पर विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ा। शनाका जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज में खेले थे, लेकिन अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए। यहां तक कि वर्ल्ड कप में भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं था। ऐसे में टीम मैनेजमेंट और चयनकर्ताओं ने घरेलू सीरीज के लिए उनको टीम से ड्रॉप कर दिया है। वनडे विश्व कप में अफगानिस्तान की टीम एक समय पर सेमीफाइनल के लिए क्वॉलिफाई करने के करीब थे, लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हो सका। कई मैच करीबी अंतर से टीम ने हारे और फिर भारत में टी20 सीरीज में भी अफगानिस्तान ने मात झेली और इसके बाद श्रीलंका में एकमात्र टेस्ट मैच भी गंवाया।

वहीं, श्रीलंका के लिए वनडे वर्ल्ड कप के बाद कुछ अच्छे नतीजे कुसल मेंडिस की कप्तानी में आए हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि श्रीलंका और अफगानिस्तान के बीच वनडे सीरीज रोमांचक होगी।

अंडर-19 वर्ल्ड कप 2024 फाइनल में भिड़ सकते हैं भारत-पाकिस्तान?

अंडर-19 वर्ल्ड कप 2024 के दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान की भिड़ंत ऑस्ट्रेलिया से है। अगर पाक यहां कंगारुओं को धूल चटाता है तो फाइनल में उनकी भिड़त भारत से हो सकती है।

नई दिल्ली.एजेंसी

क्रिकेट का टूर्नामेंट तब तक अधूरा माना जाता है जब तक फैंस को भारत और पाकिस्तान की भिड़ंत देखने को नहीं मिलती। यह राइवलरी किसी भी टूर्नामेंट चार चांद लगाने का काम करती है। इस समय साउथ अफ्रीका में अंडर-19 वर्ल्ड कप 2024 खेला जा रहा है और इस टूर्नामेंट का करवां अब अपने अंतिम पड़ा पर पहुंच गया है, मगर फैंस को अभी तक इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान का मुकाबला देखने को नहीं मिला है।

पिछले कुछ सालों में ऐसा बहुत ही कम हुआ है जब भारत और पाकिस्तान की टीमों ने किसी टूर्नामेंट में हिस्सा लिया हो और दोनों टीमों की भिड़ंत ना हुई हो। ऐसे में अब फैंस उम्मीद लगाए बैठे हैं कि फाइनल में तो इन दोनों टीमों को वह एक दूसरे के खिलाफ जरूर देखें, लेकिन क्या ये संभव है? आइए जानते हैं-

गत चैंपियन भारत के साथ साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान ने अंडर-19 वर्ल्ड कप 2024 के सेमीफाइनल का टिकट हासिल किया था। पहले सेमीफाइनल में टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका को 2 विकेट से रौंदकर लगातार 5वीं बार खिताबी जंग में अपनी जगह बनाई है।वहीं दूसरा सेमीफाइनल आज ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच खेला जाना है। अगर इस मुकाबले में पाकिस्तान की टीम कंगारुओं को चित करने में कामयाब रहती है तो फाइनल में उनका मुकाबला भारत से होगा। वहीं, अगर पाकिस्तान की टीम को मुंह की खानी पड़ती है तो फैंस को इस बार पूरे टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान की भिड़ंत देखने को नहीं मिलेगी।

सुपर-6 में एक ग्रुप में होने के बावजूद क्यों नहीं हुआ इंडिया वर्सेस पाकिस्तान मैच?

अंडर-19 वर्ल्ड कप 2024 की शुरुआत ग्रुप स्टेज से हुई थी। भारत ग्रुप-ए में था तो पाकिस्तान ग्रुप डी में। दोनों टीमों ने अपने-अपने ग्रुप के सभी मुकाबले जीतकर अगले राउंड यानी कि सुपर-6 के लिए क्वालीफाई किया था। सुपर-6 में 12 टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया था। भारत और पाकिस्तान की टीमें इस दौरान एक ही ग्रुप में थीं। हालांकि नियमों के चलते एक ही ग्रुप में होने के बावजूद भारत और पाकिस्तान की टीमें एक दूसरे के खिलाफ नहीं खेली थीं।

वर्ल्ड कप 2023 के बाद विराट कोहली ने कितने मैच खेले और कितने किए मिस?

2023 वर्ल्ड कप के बाद से विराट कोहली के ने 9T20I, 3 वनडे और 2 टेस्ट समेत अभी तक 14 मैच मिस किए हैं। वहीं इस दौरान उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट के अलावा अफगानिस्तान के खिलाफ 2 T20I खेले हैं।

नई दिल्ली.एजेंसी

एक समय ऐसा था जब विराट कोहली बिना कोई मैच मिस किए भारतीय टीम के लिए उपलब्ध रहते थे, उनके नाम लगातार 102 वनडे खेलने का भी रिकॉर्ड है। वह भारत के लिए लगातार सबसे ज्यादा वनडे मुकाबले खेलने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं, इस सूची में सचिन तेंदुलकर 185 वनडे के साथ टॉप पर हैं, वहीं पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन 126 वनडे के साथ दूसरे पायदान पर हैं।

विराट कोहली की अपार फिटनेस उन्हें इस काबिल बनाती है कि वह भारतीय टीम के लिए लगातार मैच खेल सकें, मगर कुछ समय से वह उन्हें कई मैच मिस किए हैं। हालांकि यहां उनकी फिटनेस का कोई मसला नहीं है, मगर वह अन्य कारणों के चलते मैच मिस करते रहे हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ जारी 5 मैच की टेस्ट सीरीज के पहले दो मुकाबलों के लिए जब बीसीसीआई ने स्क्वॉड का ऐलान किया था तो उसमें किंग कोहली का नाम था। विराट पहले टेस्ट के लिए हैदराबाद में ट्रेनिंग करने भी पहुंचे थे, मगर निजी कारणों के चलते उन्होंने सीरीज शुरू होने से दो दिन पहले टीम से अपना नाम वापस ले लिया।विराट कोहली इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पहले दो मुकाबलों के लिए उपलब्ध नहीं रहे, वहीं अब खबरें है कि वह सीरीज के अगले दो मैच भी मिस कर सकते हैं। हाल ही में कोहली के सबसे करीबी दोस्त एबी डी विलियर्स ने खुलासा किया था कि विराट दूसरी बार पिता बनने जा रहे हैं जिस वजह से वह अपना ज्यादातर समय पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ ही बिता रहे हैं।

बीसीसीआई अगले कुछ दिनों में ही सीरीज के बीचे तीन मैचों के लिए स्क्वॉड का ऐलान करेगा, तब विराट कोहली की उपलब्धता की तस्वीर साफ होगी।अगर 2023 वर्ल्ड कप के बाद से विराट कोहली के मिस किए गए मैचों पर नजर डालें तो, उन्होंने 920, 3 वनडे और 2 टेस्ट समेत अभी तक 14 मैच मिस किए हैं।

वहीं इस दौरान उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ दो मैच की टेस्ट सीरीज के अलावा अफगानिस्तान के खिलाफ 2 20 ही खेले हैं।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 09 फरवरी 2024 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआईः UTTHIN / 2009 / 31653

फास्ट न्यूज

सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी ने विधानसभा में चीनी मिल की उठाई मांग की हो रही सराहना

बांदाः उद्योग शून्य बुंदेलखंड के जनपद बांदा में चीनी मिल स्थापना की वर्षों से मांग हो रही है। जिले के नरैनी तहसील अंतर्गत अधिकांश गांवों में गन्ना की खेती होती है। यहां के मुकेरा गांव का गुड़ बुंदेलखंड के सभी यूपी एमपी के जनपदों में प्रसिद्ध है। यहां गन्ना का उत्पादन बहुतायत में होने के कारण ही गन्ना मिल की मांग होती आई है। सबसे पहले इसी क्षेत्र के विधायक और मंत्री रहे सुरेंद्र पाल वर्मा ने इस मांग को विधानसभा में उठाया था और अब सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी ने इस मांग को उठाकर सार्थक पहल की है। जिसके लिए उनकी जनपद में प्रशंसा की जा रही है। सदर विधायक ने नियम 301 के अन्तर्गत 7 फरवरी को विधान सभा सत्र की कार्यवाही के दौरान इस मामले को उठाते हुए कहा कि बुन्देलखण्ड तथा आपपास के क्षेत्र में कही पर चीनी मिल न होने के कारण यहां विशेषकर बांदा, अतर्रा एवं नरैनी के किसानों को गन्ना का उचित मूल्य नहीं मिल पाता और ज्यादातर किसान गन्ने से गुड़ बनाकर उसे बाजार में बेचते है तथा फुटकर गन्ना बेचकर काम चलाते है। सत्र की कार्यवाही के दौरान यह भी कहा गया कि यहां के किसानों की वर्षों पुरानी मांग रही है कि एक चीनी मिल कि स्थापना हो लेकिन पूर्ववर्ती सरकारों के द्वारा किसानों की इस महत्वपूर्ण पुरानी मांग पर कभी कोई ध्यान नहीं दिया गया। बुन्देलखण्ड में कुल 7 जनपद है यहां किसी भी जनपद में चीनी मिल नहीं है तथा गन्ना किसानों से गन्ना खरीदने की भी कोई सरकारी व्यवस्था नही है।

मौनी अमावस्या को लेकर कांवरियों का उमड़ा जनसैलाब

भागलपुरः जिले के सुलतानगंज के अजगैबीनाथ धाम में मौनी अमावस्या को लेकर गुरुवार को मिथलांचल के कांवरियों का जन सैलाब उमड़ पड़ा। मिथलांचल के कांवरिया पार्वती मां के कुल के होने पर बाबा भोलेनाथ को तिलकोत्सव करने के लिए अजगैबीनाथ के उत्तरवाहनी गंगा में डुबकी लगा कर बाबा भोलेनाथ को जल चढ़ाते हुए पैदल वऔर वाहन से देवघर बैद्यनाथ का यात्रा करते है।

'हमने यूपी को बीमारू मानसिकता से उबारा'

आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला है ओडीओपी, बनी देश की यूनिक योजना

आत्मनिर्भर

8 इतना कुछ उप्र में है, तब भी लोग कहते थे उप्र बीमार है। दुनिया देखे तो उप्र में क्या नहीं है : योगी

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि आज उत्तर प्रदेश नए औद्योगिक क्रांति की ओर है। उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य बनाना एक राजनीतिक मानसिकता थी, जिसे खत्म करके हमने इसे देश की दूसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनाया है। उन्होंने कहा कि इतना कुछ उप्र में है, तब भी लोग कहते थे उप्र बीमार है। दुनिया देखे तो उप्र में क्या नहीं है। अब उत्तर प्रदेश बीमारू राजनीतिक मानसिकता से उभरकर देश के अग्रणी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में परंपरागत कारीगर, शिल्पकार और युवा उद्यमी जो पहले निराश था आज उसके चेहरे पर उत्साह दिखता है। उत्तर प्रदेश की ओडीओपी योजना आज आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला बन चुकी है। यह बातें वह लोकभवन में उप्र इंटरनेशनल ट्रेड शो के द्वितीय संस्करण की कर्टेन रेजर सेरेमनी को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में हजारों वर्षों से विरासत के रूप में सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम की अनेक इकाईयां मौजूद थीं, लगातार सरकारी उपेक्षा व इंस्पेक्टर राज के कारण यह प्रताड़ित थी, बंद होने के कगार पर थी। उत्तर प्रदेश के हस्तशिल्प, कारीगर व युवा उद्यमियों के पास क्षमता थी, लेकिन उन्हें शासन से प्रोत्साहन और प्लेटफार्म की आवश्यकता थी। आज डबल इंजन की सरकार में परिणाम सबके सामने है। 2018 में उप्र ने ओडीओपी योजना प्रारंभ कर परंपरागत उद्योग को प्रोत्साहन दिया। बाजार उपलब्ध कराने के साथ उसे टेक्नोलॉजी से जोड़ा। आज ओडीओपी देश की यूनिक योजना बन गई है। यह आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला है। आज उप्र का एक्सपोर्ट भी बढ़ा है, 86 लाख करोड़ से बढ़कर लगभग दो लाख करोड़ हो गया। मुख्यमंत्री ने बताया कि यूपी में बीते वर्ष ग्रेटर नोएडा में इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन हुआ था,जिसकी सफलता ने नया कीर्तिमान स्थापित किया। इसने यूपी के पोटेंशियल को प्रदर्शित करने का सशक्त मंच प्रदान किया। पहली बार 500 से अधिक विदेश बायर्स,70 हजार से लोग उसमें सहभागी बने और 3 लाख लोगों का फुट फॉल हुआ। उन्होंने बताया कि फिर से 25 से 29 सितंबर के बीच ग्रेटर नोएडा में इंटरनेशनल ट्रेड शो के द्वितीय संस्करण का आयोजन होगा। इसके जरिए एक बार फिर यूपी अपनी क्षमता का प्रदर्शन वैश्विक समाज के सामने करने जा रहा है।

इस बार उप्र इंटरनेशनल ट्रेड शो 25 सितंबर से: उद्यमियों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए योगी सरकार की कर्टेन रेजर सेरेमनी नई पहल है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने वाले उप्र इंटरनेशनल ट्रेड शो की लघु फिल्म भी दिखाई गई।

मुख्यमंत्री ने 13 परियोजनाओं का शिलान्यास किया

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को उप्र इंटरनेशनल ट्रेड शो के द्वितीय संस्करण की कर्टेन रेजर सेरेमनी में लोक भवन से बटन दबाकर औद्योगिक आस्थानों और ओडीओपी सीएफसी की कुल 13 परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इसके साथ ही विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सम्मानित भी किया। ये लाभार्थी सोनभद्र, रायबरेली, लखनऊ समेत प्रदेश के विभिन्न स्थान से आए थे।

इन परियोजनाओं का शिलान्यासः एमएसईएमई क्लस्टर पार्क योजना के तहत रायबरेली, प्रतापगढ़, मऊ, महोबा में औद्योगिक आस्थानों का शिलान्यास किया। वहीं इंफ्रास्ट्रक्चर एंड स्पोर्ट्स स्कीम के अंतर्गत गोमतीनगर लखनऊ में ट्रेड प्रमोशन सेंटर का शिलान्यास किया। कौशांबी में खाद्य प्रसंस्करण के अंतर्गत केला और जनपद गोंडा में दाल एवं मक्का में ओडीओपी सीएफसी परियोजनाओं का शिलान्यास किया। मिनी औद्योगिक आस्थान ककवन बिल्हौर कानपुर नगर, पंचरावां रायबरेली, अयोध्या का उच्चीकरण तथा जिला उद्योग केंद्र शामली, अमेठी, वाराणसी के नवीन भवनों का शिलान्यास किया।

37वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला में पहुंच रहे देशी-विदेशी पर्यटकों का मुख्य चौपाल के अलावा छोटी चौपाल पर देशी व विदेशी कलाकार दिनभर अपनी शानदार प्रस्तुतियों से खूब मनोरंजन कर रहे हैं।

राज्यपाल से कांग्रेस नेता सुमन ने शैक्षणिक मुद्दों पर की बात

अररियाः बिहार के राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुमन कुमार मल्लिक ने अपने सहयोगियों के साथ राजभवन पहुंचकर आज शिष्टाचार मुलाकात की और बिहार के शैक्षणिक मुद्दों को लेकर बात की।इस दौरान कांग्रेस नेता सुमन कुमार मल्लिक ने शॉल भेंट कर राज्यपाल का अभिवादन किया और कहा कि राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर सदैव मूल्यों को साथ लेकर चलने वाले व्यक्तित्व हैं।

मल्लिक ने कहा कि सूबे के संवैधानिक प्रमुख होते हुए भी राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर की सादगी और व्यवहार समाजसेवा में रहने वालों के लिए अनुकरणीय है।राज्यपाल आर्लेकर से राज्य के विभिन्न शैक्षणिक मुद्दे पर वार्ता किया और जनहित में इसमें कुछ बदलाव करने का आग्रह भी उनसे किया। श्री मल्लिक के साथ राजभवन में शिक्षाविद डॉ. महेश प्रसाद और प्रदेश कांग्रेस नेता संतोष उपाध्याय ने भी मुलाकात कर राज्यपाल का अभिवादन किया।

भारतीय जनता पार्टी दलों को तोड़ना जानती है: अखिलेश

वाराणसी में भाजपा की डबल इंजन सरकार पर बरसे सपा मुखिया

टीम एक्शन इंडिया/वाराणसी

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरूवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी से केन्द्र और प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा की डबल इंजन सरकार पर जमकर निशाना साधा। एक दिवसीय निजी दौरे पर शहर में आए अखिलेश यादव ने कहा कि अभी ये कौन तय करेगा कि कौन पांडव ,कौन कौरव है। अगर हम संख्या बल पर जाएं तो भाजपा कहती है कि हम दुनिया के सबसे बड़ी पार्टी हैं। पहले ये तय कर ले कि कौरव कौन है और पांडव कौन है। एक सवाल के जबाब में अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री क्या कहते हैं। हमारे लिए तो संविधान और न्यायालय ही सबसे बड़ी चीज है। भारतीय जनता पार्टी दलों को तोड़ना जानती है। भाजपा किसको कब लेना है ये जानती है। ये पार्टी ये भी जानती है कि कैसे बेईमानी करनी है। चंडीगढ़ घटना का खास तौर पर उल्लेख करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा जानती है कि कब किसको खरीदना है और कब ईडी और सीबीआई भेजनी है,आयकर का छापा मारना है। और किस पत्रकार का कब मुंह बंद करना है,किस चैनल को क्या बजट देना है। चैनल को बजट नहीं दिया तो उस पर नियंत्रण कैसे होगा। एक अन्य सवाल के जबाब में उन्होंने कहा कि प्रदेश में जीरो टॉलरेंस व्यवस्था का सवाल नही है। सवाल है कि न्यूज के नियंत्रण के बाद अपराध और भ्रष्टाचार बढ़ रहा है। इसके जबाब सरकार के पास है क्या। उन्होंने कहा कि जबसे भाजपा की सरकार बनी है 2014 से आज तक एनसीआरबी के आंकड़े निकलवा देख लीजिए। उन्होंने आरोप लगाया कि एक लाख किसानों ने आत्महत्या की है। जहां किसान आत्महत्या कर रहे और आय दुगुनी न हो,महंगाई को रोक न पा रहे हो,तब ऐसी सरकार का क्या मतलब है। तंज कसते हुए सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा ऐसे ही दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी नहीं बनी है।

प्रतिक्रिया

8 भाजपा जानती है कि कब किसको खरीदना है और कब ईडी और सीबीआई भेजनी है: अखिलेश

राजस्थानबजटः पांच लाख घरों में सोलर प्लांट लगेंगे

टीम एक्शन इंडिया/जयपुर

वित्त और उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने घोषणा की है कि राजस्थान के पांच लाख घरों में सोलर प्लांट लगाए जाएंगे। इसके अलावा प्रदेश में सड़कों के विकास के लिए पंद्रह सौ करोड़ रुपये का प्रावधान भी किया जा रहा है। हंगामे के बीच गुरुवार को प्रदेश की वित्त और उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी विधानसभा में अंतरिम बजट पेश कर रहीं हैं। उन्होंने ऐलान किया कि प्रदेश में 70 हजार पदों पर भर्तियां होगी। दीया ने बजट भाषण में गहलोत सरकार पर आरोप लगाए तो विपक्ष ने हंगामा किया। हंगामा बढ़ने लगा तो मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को दखल देना पड़ा। वित्त मंत्री ने कहा कि पिछली सरकार की गलत नीतियों के फलस्वरूप विरासत में बड़ा कर्ज मिला है। कर्ज दोगुना होकर पांच लाख करोड़ से ज्यादा हो गया है। देश में पंजाब के बाद सबसे ज्यादा कर्ज हम पर है। पिछली सरकार ने 2 लाख 24 हजार करोड़ रुपए में से मात्र 93 हजार करोड़ का खर्च पूंजीगत व्यय के रूप में किया गया। यानी 60 प्रतिशत कर्ज का उपयोग गैर पूंजीगत व्यय के रूप में किया गया। उन्होंने कहा कि जयपुर मेट्रो का विस्तार किया जाएगा। नए रूट के लिए डीपीआर को मंजूरी दी गई है।

उत्तराखंड में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नई पहल

यूटीडीबी और आईआरसीटीसी के मध्य अनुबन्ध हस्ताक्षरित

अनुबंध

8 पर्यटन विभाग आईआरसीटीसी के मध्य एक स्पेशल पर्यटक ट्रेन प्रारंभ करने के लिए अनुबंध कर लिया गया

टीम एक्शन इंडिया/देहरादून

उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद और भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी) ने मानसखंड पर्यटन और देश के अन्य शहरों -स्थानों पर प्रचार-प्रसार के लिए विशेष पर्यटक ट्रेन (मानसखंड एक्सप्रेस) का संचालन करने के लिए गुरुवार को एक एमओयू (समझौता हस्ताक्षर) पर हस्ताक्षर किए हैं।

सुभाष रोड स्थित अपने शासकीय आवास में पर्यटन और मंत्री सतपाल महाराज की मौजूदगी में यह एमओयू हुआ। इस दौरान मंत्री ने कहा कि मानसखंड एक्सप्रेस ट्रेन प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन विभाग ने एक नई पहल की गई है। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज गरिमामयी उपस्थिती में पर्यटन विभाग आईआरसीटीसी के मध्य देश के विभिन्न क्षेत्रों से राज्य के अल्पज्ञात गंतव्यों के लिए एक स्पेशल पर्यटक ट्रेन प्रारंभ करने के लिए अनुबंध कर लिया गया है।

'अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत का भविष्य उज्ज्वल'

भारत का भविष्य उज्ज्वल होने के साथ-साथ आशा और आकांक्षाओं से भरा हुआ

टीम एक्शन इंडिया/देहरादून

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने गुरुवार को नई दिल्ली में एसआईए-इंडिया के आयोजित डीईएफएसएटी 2024 कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कहा कि निश्चित रूप से रक्षा और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत का भविष्य उज्ज्वल होने के साथ-साथ आशा और आकांक्षाओं से भरा हुआ है। राज्यपाल ने कहा कि 1975 में हमारे पहले उपग्रह आर्यभट्ट से लेकर हमारे सबसे नवीन मिशन आदित्य एल1 तक, जो सूर्य का अध्ययन करने के लिए भारत का पहला मिशन था, इनसे हमारे देश ने साबित

कर दिया है कि हम वास्तव में सभी क्षेत्रों में आत्मनिर्भर हैं। राज्यपाल ने कहा कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के तत्वावधान में भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं, जिससे देश अंतरिक्ष अन्वेषण में एक प्रमुख शक्ति के रूप में स्थापित हुआ है। मार्स ऑर्बिटर मिशन, जिसे मंगलयान के नाम से भी जाना जाता है सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक है। 2013 में लॉन्च किए गए मंगलयान ने भारत को मंगल ग्रह की कक्षा में पहुंचने वाला पहला एशियाई देश और अपने पहले ही प्रयास में ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देश बना है। इस उपलब्धि ने न केवल भारत की तकनीकी शक्ति बल्कि मितव्ययी बजट पर अंतरिक्ष अन्वेषण हासिल करने की क्षमता को भी प्रदर्शित किया।

अन्वेषण

8 तकनीकी शक्ति बल्कि मितव्ययी बजट पर अंतरिक्ष अन्वेषण हासिल करने की क्षमता को भी प्रदर्शित किया

सिरसा के किसान दिल्ली कूच को लेकर तैयार

सिरसाः किसान और प्रशासन दोनों ही स्तर पर 13 फरवरी के किसानों के दिल्ली कूच को लेकर तैयारी चल रही है। पुलिस ने कानून व्यवस्था कायम रखने और उपद्रवियों से निपटने के लिए पुलिस लाइन में अभ्यास किया। इसके लिए गुरुवार को जिलेभर से पुलिस फोर्स यहां पहुंची। एसपी विक्रांत भूषण ने पुलिस फोर्स को संबोधित किया और तैयारियों का जायजा लिया। एसपी ने कहा कि सभी विभागों से ज्यादा पुलिस का काम चुनौतियों भरा होता है। हर समय पुलिस के समक्ष कानून व्यवस्था कायम रखने की चुनौती आन पड़ती है।

'जयंत को विपक्ष के साथ रहना चाहिए'

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ

राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के विपक्षी दलों के अलायंस आईएनडीआईए को छोड़कर जाने की खबरें लगातार बढ़ती जा रही है। विपक्ष के सहयोगी दल रालोद के एनडीए में जाने की प्रबल जानकारियों के बीच समाजवादी पार्टी के महासचिव शिवपाल यादव का एक बार फिर बयान आया है।

सपा महासचिव ने एनडीए और रालोद के गठबंधन को लेकर पुख्ता सियासी खबरों के बीच गुरूवार को कहा कि जयंत चौधरी के पिता चौधरी अजीत सिंह और उनके बाबा चौधरी चरण सिंह सेक्युलर नेता थे। मुझे पूरी उम्मीद

है कि जयंत चौधरी कहीं नहीं जाएंगे। उन्हें आईएनडीआईए (इंडिया) गठबंधन में रहकर लड़ाई लड़नी चाहिए। एक सवाल का जवाब देते हुए शिवपाल यादव ने कहा कि ओवैसी ने भी कहा कि हम पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि कोई सीट यूपी में पसंद है तो ओवैसी बताएं, मैं अखिलेश यादव से बात कर लूंगा।

नगर निगम, देहरादून से 13743 पत्रावलियां गायब

फटकार

8 अभिलेखों से हर साल रहस्यमयी तरीके से पत्रावलियां गायब हो रही हैं। सूचना आयुक्त ने फटकार लगाई

टीम एक्शन इंडिया/देहरादून

नगर निगम देहरादून के अभिलेखों से हर साल रहस्यमयी तरीके से पत्रावलियां गायब हो रही हैं। इसके लिए सूचना आयुक्त ने फटकार लगाई है। राज्य सूचना आयोग ने नगर निगम के अभिलेखों से पत्रावलियों के गायब/गुम होने को गंभीरता से लेते हुए तकरीबन छह माह पूर्व नगर निगम के अभिलेखों से वर्ष 2022 तक गायब पत्रावलियों का विवरण तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए तो खुलासा हुआ कि बीते बीस साल में हजारों की संख्या में पत्रावलियां गायब हैं। राज्य सूचना आयुक्त योगेश भट्ट के निर्देश पर नगर निगम द्वारा छह माह में तैयार की गयी रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि वर्ष 1989 से 2022 तक नगर निगम अभिलेखों से 13 हजार 743 पत्रावलियां गायब हैं।

विकास

सीएम की मंशा अनुरूप, उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) के वेब पोर्टल को किया जाएगा आधुनिक सुविधाओं से लैस

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना : युवाओं के सपनों को लगाएगी पंख, आत्मनिर्भरता की भरेंगे उड़ान

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को उप्र इंटरनेशनल ट्रेड शो के द्वितीय संस्करण की कर्टेन रेजर सेरेमनी में कहा कि उप्र में एमएसईएमई के लिए एक नई योजना लागू की गई है। अभी यह अभियान के तौर पर चलेगा। योजना के तहत अगले 10 वर्षों में 10 लाख सूक्ष्म उद्यमों को आर्थिक सहायता दी जाएगी। यह प्रदेश का अपना मिलियन माइक्रो इंटरप्राइजेज मिशन है। यह योजना युवाओं के सपनों के पंख लगाएगी तो वहीं युवा आत्मनिर्भरता की उड़ान भरेंगे।

मोदी-योगी के विजन के साथ विकास पथ पर अग्रसर उप्रः सूक्ष्य एवं लघु उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा, एवं वस्त्र उद्योग मंत्री राकेश सचान ने कहा कि भारत का सबसे बड़ा राज्य उत्तर प्रदेश मोदी-योगी के विजन के साथ विकास पथ पर अग्रसर है। कहा कि उत्तर प्रदेश में कुल 96 लाख एमएसईएमई इकाईयां हैं। कृषि के बाद सबसे ज्यादा रोजगार देने वाला सेक्टर एमएसईएमई है। इसके माध्यम से रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। एमएसईएमई नीति 2022 में कुल 25 नीतियां हैं।

वर्ष 2025 में दो लाख 91 करोड़ रुपये ऋण देने का लक्ष्यः

ओडीओपी, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार, विश्वकर्मा श्रम सम्मान, मुख्यमंत्री सूक्ष्म, उद्यमी दुर्घटना बीमा आदि योजना ने उत्तर प्रदेश के एमएसईएमई को नई पहचान दी है। वर्ष 2017 में एमएसईएमई की कुल इकाईयों को बैंकों से कुल 28136 करोड़ रुपये दिए गए थे, जो वर्ष 2022-23 में बढ़कर डेढ़ लाख करोड़ पार हो गया। वर्ष 2023-24 में ये लगभग सवा दो लाख करोड़ पहुंचने वाला है। वर्ष 2024-25 में बैंकों के माध्यम से एमएसईएमई के लिए दो लाख 91 करोड़ रुपये ऋण देने का लक्ष्य रखा गया है। यह 2016-17 की तुलना में 10 गुना से भी अधिक है।

टेक्सटाइल हब बनेगा उत्तर प्रदेशः मंत्री राकेश ने बताया कि पीएम मित्रा पार्क हरदोई और उन्नाव के बीच में बनाया जा रहा है। इसके लिए बजट में प्रदेश सरकार की ओर से 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है और 500 करोड़ का प्रावधान केंद्र सरकार करेगी। यह पार्क टेक्सटाइल के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश को आगे बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगा।

प्रदेश के युवाओं को रोजगार मांगने नहीं, देने वाला बनाएगी सरकारः उन्होंने कहा कि रोजगार के लिए अब युवाओं को भटकने की जरूरत नहीं है। योगी सरकार उन्हें रोजगार मांगने वाला नहीं, रोजगार देने वाला बनाएगी। इसके लिए सरकार रोजगार के लिए ब्याजरहित ऋण देगी। प्रथम चरण में चार लाख रुपये ऋण मिलेगा। यह संभव होगा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना से, जो हाल ही में योगी सरकार ने लागू की है।